धनबाद
सोमवार 27.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-155 पृष्ठ- 12
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-13
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

भव्य आगाज के साथ शुरू हुआ 135वां इंडियनऑयल डूरंड कप

खेल मंत्री ने किया शुभारम्भ, बिरसा मुंडा स्टेडियम में उमड़े हजारों फुटबॉल प्रेमी

रांची। एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट १३५वें इंडियनऑयल डूरंड कप का रविवार को रांची के मोराबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में भव्य और रंगारंग उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में झारखंड के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार, राज्यसभा सांसद महुआ माजी समेत कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा रहा और पूरे परिसर में फुटबॉल का उत्साह देखते ही बन रहा था।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत भारतीय सेना के चीता हेलिकॉप्टर के फ्लाई-पास्ट से हुई, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसके बाद सेना के पाइप एंड ड्रम बैंड की शानदार प्रस्तुति ने पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

इसके बाद गोरखा बटालियन के जवानों ने 'कंधे से मिलते हैं कंधे' और 'वंदे मातरम' जैसे देशभक्ति गीतों पर मनमोहक प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। वहीं सिख रेजिमेंट के जवानों ने पारंपरिक भांगड़ा प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

समारोह का मुख्य आकर्षण डूरंड कप के आधिकारिक थीम गीत 'खेलेंगे खेलेंगे दिल से खेलेंगे' पर कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुति रही। रंग-बिरंगी रोशनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने उद्घाटन समारोह को यादगार बना दिया। उद्घाटन समारोह के बाद टूर्नामेंट का पहला मुकाबला जमशेदपुर एफसी और डिफेंडर्स एफसी (श्रीलंका) के बीच खेला गया। मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी स्टेडियम पहुंचे।

रांची में डूरंड कप का आयोजन झारखंड में फुटबॉल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे राज्य के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को देश के शीर्ष क्लबों तथा अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाड़ियों को करीब से देखने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। उद्घाटन समारोह में उमड़ी भारी भीड़ ने यह भी साबित कर दिया कि झारखंड में फुटबॉल के प्रति लोगों का जुनून लगातार बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने बहादुर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

जवानों के असाधारण साहस को किया याद

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश की सुरक्षा में तैनात भारतीय सशस्त्र बलों को नमन करते हुए उनके असाधारण साहस और प्रतिबद्धता के प्रति राष्ट्र की ओर से आभार व्यक्त किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश जारी करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बेहद मुश्किल चुनौतियों का सामना करते हुए हमारे सैनिकों द्वारा दिखाई गई वीरता हर भारतीय के लिए हमेशा गर्व का स्रोत बनी रहेगी। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, कारगिल विजय दिवस पर, हमारा देश भारत की सुरक्षा के प्रति असाधारण साहस और प्रतिबद्धता दिखाने वाले बहादुर सैनिकों का आभार व्यक्त करता है। सबसे कठिन परिस्थितियों में भी उनकी बहादुरी हमेशा देश के लिए गर्व की बात रहेगी। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि १९९९ के युद्ध के नायकों का समर्पण, उनकी अटूट देशभक्ति और कर्तव्य के प्रति निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। हर साल २६ जुलाई को मनाया जाने वाला कारगिल विजय दिवस १९९९ के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की अप्रतिम बहादुरी, सर्वोच्च बलिदान और अटूट संकल्प का प्रतीक है।

जेन-जी पर तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी का बड़ा दांव

25 नहीं अब 21 की उम्र में बनेंगे एमपी-एमएलए!

हैदराबाद (ईएमएस): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही विधानसभा का एक स्पेशल सेशन बुलाएगी ताकि केंद्र से लोकसभा और विधानसभा चुनाव लडने के लिए मिनिमम उम्र २१ साल करने और लेजिस्लेटिव काउंसिल और राज्यसभा के लिए २५ साल करने का रिक्वेस्ट करने वाला एक रेजोल्यूशन पास किया जा सके। सीएम रेड्डी ने कहा कि अगस्त के पहले हफ्ते में, हम विधानसभा और लेजिस्लेटिव काउंसिल के स्पेशल सेशन बुलाएंगे और विधायक या सांसद के तौर पर चुनाव लडने के लिए मिनिमम उम्र २१ साल करने का रेजोल्यूशन पास करेंगे। हम यह रेजोल्यूशन केंद्र को भेजेंगे।

उन्होंने कहा कि संसद में जेन-जी का १ प्रतिशत से भी कम रिप्रेजेंटेशन है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी पीढ़ी जो आबादी का लगभग ३० प्रतिशत है, उसे हमारी विधानसभाओं में ज़्यादा रिप्रेजेंटेशन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर जेन-जी के युवा एजुकेशन मिनिस्टर और आईटी मिनिस्टर बनते हैं तो देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने २१ साल के लोगों को विधायक और सांसद के तौर पर चुनाव लड़ने का मौका देने के लिए संविधान में संशोधन करने का सुझाव दिया। उन्होंने जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन और सिंगापुर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां १८-२१ साल के युवा देश के प्रमुख बन सकते हैं, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति बन सकते हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारत इस रास्ते पर क्यों नहीं चल सकता।

पेपर लीक के खिलाफ आज लोकसभा में पेश हो सकता है नया बिल, दो धाराएं जोड़ीं

दो महीने में पूरी करनी होगी जांच, 10 साल जेल और 50 लाख जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, २०२४ में संशोधन करने जा रही है। पीएम मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है। बिल में दो नई धाराएं १२ए और १२बी जोड़ी गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के २ महीने के अंदर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोज सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के तीन महीने के अंदर ट्रायल पूरा करना जरूरी होगा। रिपोर्ट के मुताबिक बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी। ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे ३ महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के ३० दिनों के अंदर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में ९० दिनों तक बढ़ाया जा सकता है।

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार

बोले- प्रधानमंत्री के विश्वास पर खरा उतरने का करूंगा पूरा प्रयास

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर उन्हें शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। जोशी अपने वर्तमान उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के साथ-साथ अब शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी भी निभाएंगे। शनिवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी अधिसूचना के बाद रविवार को प्रह्लाद जोशी ने शिक्षा मंत्रालय पहुंचकर औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि वह पूरी विनम्रता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नई जिम्मेदारी निभाएंगे तथा शिक्षा क्षेत्र में सरकार की प्राथमिकताओं और देश की अपेक्षाओं को पूरा करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि पिछले वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन सहित शिक्षा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में काम जारी रहेगा।

यहां बताते चलें कि प्रह्लाद जोशी कर्नाटक की धारवाड़ लोकसभा सीट से लगातार पांच बार सांसद चुने जा चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से जुड़े रहे हैं तथा संगठन और सरकार दोनों में लंबा अनुभव रखते है।

टीएमसी कार्यकर्ता समेत 14 गिरफ्तार

कोलकाता (ईएमएस): नीट पेपर लीक के मामले में पश्चिम बंगाल के धर्मतला में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और पत्रकारों के खिलाफ काफी हिंसा हुई थी। इस मामले में अब पुलिस ने १४ लोगों को गिरफ्तार किया है। अहम बात यह है कि इनमें टीएमसी का एक कार्यकर्ता भी है। विरोध प्रदर्शन में हिंसा करने के मामले में गिरफ्तार हुए लोगों को लेकर पुलिस ने कहा कि इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़फोड़ में शामिल थे। दूसरी ओर पुलिस ने ये भी है कि कॉकरोच जनता पार्टी ने ईमेल के माध्यम से ये भी बताया है कि ये १४ लोग आंदोलन से नहीं जुड़े थे।

बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

पंजाब में हमले की थी प्लानिंग, पुलिस ने की साजिश नाकाम

जालंधर (ईएमएस): पंजाब पुलिस ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और जालंधर देहात पुलिस की संयुक्त टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जालंधर से इस आतंकी को पकड़ा है, जिसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह आतंकी मॉड्यूल विदेशों में बैठे अपने हैंडलर्स के इशारों पर काम कर रहा था। आरोपी के पास से १.३ किलोग्राम हाई एक्सप्लोसिव से भरा एक आईईडी मिला है। आतंकी की अभी पहचान उजागर नहीं की गई है।

पंजाब के डीजीपी के मुताबिक इस आईईडी में लोहे के छर्रे और बॉल बेयरिंग भी पैक किए गए थे। विस्फोटक की बनावट और मात्रा से यह साफ जाहिर होता है कि आतंकी पंजाब में हमले की साजिश रच रहे थे। समय रहते की गई कार्रवाई से राज्य की शांति भंग करने की एक बड़ी साजिश नाकाम हो गई है और दर्जनों निर्दोष लोगों की जानें बच गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जालंधर देहात के थाना पतारा में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और असलहा कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीजीपी ने कहा कि जांच का मुख्य उद्देश्य इस पूरे आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करना है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विदेशों में बैठे कौन से हैंडलर्स इस साजिश के पीछे थे? इसके अलावा आरोपी को स्थानीय स्तर पर किसने मदद या लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया कराया? और इस विस्फोटक की डिलीवरी कहां से हुई और इसे कहां इस्तेमाल किया जाना था?

देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है सरकार:अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अपने पद से त्यागपत्र देने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार के लिए देश, देशवासी और विशेषकर युवा पीढ़ी सर्वोपरि है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए किसी भी पद से अधिक महत्वपूर्ण देश और उसकी युवा पीढ़ी का भविष्य है। धर्मेंद्र प्रधान का यह कदम इसी भावना को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार युवाओं की भावनाओं का पूरा सम्मान करती है और पेपर लीक के खिलाफ आवश्यक और कड़े सुधारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दोषियों को कठोर दंड देने और नीट परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों को न्याय दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाए गए कदम बेहद सराहनीय हैं।

गृह मंत्री ने धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, मातृभाषाओं में परीक्षाओं के आयोजन, पीएम श्री विद्यालयों के विस्तार, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है।

पश्चिम बंगाल में बनेगी नई विधानसभा

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में जल्द नई विधानसभा भवन का निर्माण किया जाएगा। राज्य के बजट सत्र के दौरान इसकी घोषणा की गई। कहा गया कि सीमांकन (डिलिमिटेशन) और महिला आरक्षण कानून लागू होने के बाद विधानसभा में विधायकों की संख्या बढ़कर करीब ४०० हो सकती है। ऐसे में मौजूदा विधानसभा भवन में सभी सदस्यों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होगी। विधानसभा अध्यक्ष से सभी राजनीतिक दलों से चर्चा कर नई इमारत के लिए उपयुक्त जगह तय करने और लोक निर्माण विभाग के साथ मिलकर योजना तैयार करने को कहा गया।

मणिपुर में सुरक्षा बलों का बड़ा अभियान : चार उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार-बारूद और ब्राउन शुगर बरामद

प्रतिबंधित संगठनों के सक्रिय सदस्य दबोचे ✪ विस्फोटक और मादक पदार्थों की बड़ी खेप जब्त

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने शनिवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान हथियार, विस्फोटक, गोला-बारूद और ब्राउन शुगर की बड़ी खेप भी बरामद की गई। पुलिस ने सभी मामलों में जांच तेज कर दी है।

पुलिस के अनुसार, प्रतिबंधित संगठन केसीपी (सिटी मैतेई) के सक्रिय सदस्य उरिकहिनबाम मालेमंगबा सिंह उर्फ वातेम्बा (३०) को जिरीबाम जिले के निवासी होने के बावजूद इंफाल के सिंगजामेई थाना क्षेत्र के थोंगजू पार्ट-२ से गिरफ्तार किया गया। एक अन्य कार्रवाई में केसीपी के ही सक्रिय सदस्य याइखोम अभिनाश मीतेई उर्फ नोबा उर्फ एबी (२६) को इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपट थाना क्षेत्र स्थित कोंगपाल खोंगखाम लीकाई से दबोचा गया। उधर, उखरूल जिले के लितान थाना क्षेत्र के शांगकाई और मोंगकोट चेपू गांवों के आसपास तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक स्थानीय निर्मित पोंपी गन, १२ बोर की राइफल, विभिन्न कैलिबर के नौ जिंदा कारतूस, देसी मोर्टार शेल और एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया।

एक अन्य अभियान में राष्ट्रीय राजमार्ग-३७ स्थित पटसोई लामखाई के हाइवे ऑटो केयर वर्कशॉप पर छापेमारी कर एक पजेरो वाहन से ३० साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखी गई ३४६ ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। मामले में वर्कशॉप के सह-मालिक शेख सलाहुद्दीन (४६) और चोंगथम अनिलकुमार सिंह (३८) को गिरफ्तार किया गया। इसी दौरान पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (पी) के दो सक्रिय सदस्यों मुतुम सेताराज सिंह उर्फ समलांग (३१) और थौनाओजाम राकेश मीतेई उर्फ अमुबा (३५ को थौबल बाजार से गिरफ्तार किया।

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया आतंकवाद में शामिल लोगों का क्या अंजाम होता है

कारगिल विजय दिवस पर जवानों के बीच पहुंचे रक्षा मंत्री, पाकिस्तान को दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (ईएमएस): कारगिल विजय दिवस पर जवानों के बीच पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अब पीओके के अलावा किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं होने वाली है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारत की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है और उसे यह जमीन छोड़नी होगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया है कि आतंकवाद में शामिल लोगों का क्या अंजाम होता है। रक्षामंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की हर हरकत का ऐसा जवाब दिया जाएगा जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी। सिंह ने कहा कि भारत डेटा सेंटर बनाता है तो वहीं पाकिस्तान कट्टरपंथी सेंटर बनाता है।

वहीं कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां कारगिल के नायकों की वीरता की कहानियों से प्रेरणा लेगी। उन्होंने द्रास में कहा कि २७वें कारगिल विजय दिवस पर हमारे बहादुर सैनिकों और उनके साहस को सलाम। उन्होंने कहा कि गारगिल विजय भारत माता के मुकुट में जड़े हीरे के समान है। उनसे पहले लद्दाख के उपराज्यपाल वी के सक्सेना, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा तथा सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित की।

इस दौरान तीन हेलीकॉप्टरों ने एरोहेड की संरचना में उड़ान भरी। इसमें एक उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर सबसे आगे था और उसके पीछे दो चीतल हेलीकॉप्टर थे। इन हेलीकॉप्टरों ने युद्ध स्मारक पर पुष्पवर्षा की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार शाम द्रास में बारिश के बीच भारतीय सेना ने शौर्य संध्या का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में ऑपरेशन विजय के दौरान भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाए गए अदम्य साहस को याद किया गया और कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। रक्षा मंत्री ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और कारगिल युद्ध में शहीद हुए कुछ सैनिकों के परिजनों को प्रतीकात्मक कलश भी सौंपा।

भारतीय सेना ऑपरेशन विजय की २७वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में द्रास में कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। यह अवसर १९९९ की उस ऐतिहासिक जीत की याद दिलाता है, जब भारतीय सैनिकों ने बर्फ से ढकी ऊंची चोटियों और पाकिस्तानी सैनिकों की लगातार गोलीबारी का सामना करते हुए कारगिल की चोटियों पर दोबारा कब्जा किया था।

संपादकीय

नीट पेपर लीक के बाद उठे सवाल...

किसी भी मसले पर सरकार के रुख की वजह से अगर जनता या उसके एक हिस्से के बीच असंतोष फैलता है, तो उसका हल निकालना सरकार का ही दायित्व है। इस लिहाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए अगर यह कहा कि प्रश्नपत्र लीक के दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार ने त्वरित अदालतें स्थापित करने का फैसला किया है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, तो यह वक्त का तकाजा है।

मगर सदिच्छाओं से ही अगर समस्याओं का समाधान निकल पाता, तो आज देश में बड़ी तादाद में युवाओं के सामने शायद सड़क पर उतरने की नौबत नहीं आती। निश्चित तौर पर नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने और इसकी वजह से समूची परीक्षा का रद्द होना विद्यार्थियों के बीच असंतोष भड़कने का तात्कालिक कारण बना है, लेकिन सवाल है कि क्या यह प्रश्नपत्र लीक होने का कोई पहला मामला था! ऐसा क्यों है कि देश भर में इससे उपजे आंदोलन और उसमें पुलिस कार्रवाई के रुख को लेकर तीखे सवाल उठे हैं और इसके बावजूद सरकार को किसी की जिम्मेदारी तय करना जरूरी नहीं लगता।

प्रदर्शनकारियों की एक बुनियादी मांग है कि इसके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लिया जाए, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार की नजर में इस सवाल की कोई अहमियत नहीं है। वरना क्या वजह है कि इस मुद्दे पर देश के अन्य हिस्सों में भी आंदोलन का दायरा फैलने के बावजूद सरकार अब तक कोई ठोस कार्रवाई करती नहीं दिखी है। यह एक बड़ा कारण हो सकता है कि विद्यार्थियों के

एक बड़े तबके के बीच सरकार की कथनी पर भरोसा नहीं बन पा रहा है।

सच यह है कि पिछले कई वर्षों से अक्सर किसी न किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले सामने आते रहे और अगर किसी घटना ने तूल पकड़ लिया, तो सरकार की ओर से सबसे पहली कार्रवाई परीक्षा को रद्द करने की हुई। मगर न तो परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी को कठघरे में खड़ा किया गया, न ही संबंधित महकमे के मंत्री से जवाब-तलब किया गया। विपक्ष के एक आरोप के मुताबिक, वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सत्ता में आने के बाद से अब तक 152 प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं और इससे करीब साढ़े सात करोड़ विद्यार्थी प्रभावित हुए।

ऐसे में अगर प्रदर्शनकारियों से लेकर विपक्षी दलों की ओर से भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, तो यह अनायास नहीं है। नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद अब यह मामला इतना तूल पकड़ चुका है कि सरकार को कई स्तर पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत पड़ रही है। खुद प्रधानमंत्री ने कहा है कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ऐसा लगता है कि पहले के प्रश्नपत्र लीक के मामलों की अनदेखी से जमा हुआ क्षोभ इस बार फूट पड़ा है। ऐसे में होना यह चाहिए कि सरकार की ओर से भविष्य में सब कुछ ठीक करने की सिर्फ सदिच्छा जताने के बजाय उच्च स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के जरिए स्पष्ट संदेश दिया जाए, ताकि देश के युवाओं के बीच भरोसा पैदा हो। अगर आंदोलन की शुरुआत में ही सरकार ने गंभीरता दिखाई होती और प्रदर्शनकारियों से संवाद किया होता, तो शायद मामला इतना जटिल शक्ल नहीं अख्तियार करता।

अनंतनाग हमलाः कब थमेगा जम्मू-कश्मीर में आतंक का सिलसिला?

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समूल नष्ट करने का अभियान वर्षों से चलाया जा रहा है। मगर वहां अक्सर हो रहे आतंकी हमले सरकार के इस दावे को कमजोर साबित करते हैं कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद घाटी में पहले से कहीं अधिक शांति और विकास का माहौल बन गया है। जबकि आतंकवादी आज भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। राज्य में अनंतनाग के लाल चौक इलाके में बुधवार को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों पर आतंकवादियों ने अचानक गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। इस घटना से स्पष्ट है कि आज भी राज्य में आतंकवाद की धमक कायम है। इससे पहले भी आतंकी हमलों में सेना और पुलिस के जवानों के शहीद होने की घटनाएं होती रही हैं। ऐसी हर घटना के बाद सरकार यह आश्वासन देती है कि आतंकवाद के खात्मे के लिए हर स्तर पर सख्ती बरती जाएगी। मगर कुछ समय के अंतराल पर फिर किसी आतंकी हमले में जवानों की शहादत की घटना सरकारी कवायदों की सच्चाई का बयान करती है। अमूमन हर आतंकवादी हमले के बाद इलाके

की घेराबंदी की जाती है, अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों की शांति के बाद फिर किसी जगह आतंकी हमले की खबर आ जाती है। कहने को पहले की तुलना में आतंकवादी हिंसा और सीमापार से घुसपैठ में कमी आई है। मगर सच यह भी है कि आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने और कई स्तरों पर सख्ती बरते जाने के बाद आतंकी अब घात लगाकर छोटे हमले करने लगे हैं। यह सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर राज्य में भय का वातावरण बनाए रखने की कोशिश है। जाहिर है, आतंकी संगठनों की रणनीति में बदलाव आया है। इसी के मुताबिक भारतीय सुरक्षा बलों को भी इसका सामना करने के लिए नए तौर-तरीकों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। इसके अलावा, सीमापार स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों के खिलाफ न केवल देश के भीतर मोर्चाबंदी की जरूरत है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर आम राय बनाने और आतंकवादियों को शह देने वाले देशों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश भी होनी चाहिए।

आज का कार्टून

आखिर कैसे थमेगा अमेरिका-ईरान युद्ध?

> वास्तव में, अमेरिका-ईरान संघर्ष को 'पुरानी और बार-बार भड़कने वाली बीमारी' कहना उचित है–जिसका इलाज कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध अंततः स्थायी समाधान नहीं देता; टिकाऊ समाधान कूटनीति, विश्वास-निर्माण और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान से ही निकलता है। इस युद्ध का सबसे गंभीर और चिंताजनक पहलू यह है कि नागरिक ढांचे भी सुरक्षित नहीं बचे। कमोबेश दोनों पक्षों की ओर से गलतियां हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुसार अस्पताल, स्कूल, आवासीय क्षेत्र, बिजली, पानी और अन्य नागरिक ढांचे सामान्यतः संरक्षित होते हैं। लिहाजा किसी भी पक्ष को केवल सैन्य लक्ष्यों पर हमला करना चाहिए और नागरिकों को होने वाली क्षति को न्यूनतम रखने का दायित्व होता है। यदि किसी संघर्ष में नागरिक ढांचे पर हमले होते हैं, तो तीन महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्न उठते हैं: क्या वह वास्तव में सैन्य लक्ष्य था? क्या हमले में अनुपातिकता का पालन किया गया? क्या नागरिकों को बचाने के लिए सभी संभव सावधानियां बरती गईं?

कमलेश पांडे

अमेरिका-ईरान संघर्ष केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता नहीं है। इसमें धार्मिक पहचान, वैचारिक टकराव, क्षेत्रीय वर्चस्व, सुरक्षा हित और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे अनेक आयाम जुड़े हुए हैं। इसलिए कई लोगों की दृष्टि में यह केवल दो देशों का विवाद नहीं, बल्कि प्रभाव और विचारधाराओं के टकराव का भी संघर्ष है। इसलिए दुनियावी लोगों के जेहन में सिर्फ एक सवाल सुलग रहा है कि आखिर कैसे थमेगा अमेरिका-ईरान युद्ध? और इसकी विकरालता से कबतक राहत पाएगी दुनिया? अमेरिका-ईरान संघर्ष अत्यंत जटिल और बार-बार उभरने वाला संकट क्यों बन चुका है? आखिर इस युद्ध में तो नागरिक ढांचे भी सुरक्षित क्यों नहीं बचे?

प्रथमदृष्टया जहां कुछ अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषक अमेरिका-ईरान संघर्ष को धार्मिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक तत्वों का मिश्रण मानते हैं। वहीं अन्य विश्लेषक इसे मुख्यतः राष्ट्रीय सुरक्षा, परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और शक्ति-संतुलन का संघर्ष मानते हैं। इसलिए अमेरिका-ईरान संघर्ष को केवल धर्मयुद्ध समझना इसकी जटिलता को कम करके देखना होगा। वास्तव में यह धर्म, विचारधारा, क्षेत्रीय वर्चस्व, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शक्ति-संतुलन–इन सभी का मिला-जुला संघर्ष है।

यदि गौर किया जाए तो जहां अमेरिका की नीतियाँ मुख्यतः राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय रणनीति और परमाणु प्रसार को रोकने के तर्कों पर आधारित बताई जाती हैं, तो वहीं ईरान की राजनीतिक व्यवस्था में धार्मिक नेतृत्व की केंद्रीय भूमिका है, इसलिए उसके कुछ निर्णयों में धार्मिक विचारधारा का प्रभाव दिखाई देता है। लेकिन दोनों पक्षों के निर्णयों में आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक हित भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।जानकारों का कहना है कि अमेरिका-ईरान युद्ध तभी थमेगा, जब दोनों पक्ष यह समझ लें कि सैन्य जीत की कीमत राजनीतिक जीत से कहीं अधिक है। मौजूदा परिस्थितियों में युद्ध का स्थायी समाधान केवल कूटनीति, सुरक्षा गारंटी और चरणबद्ध समझौते से ही संभव दिखता है। हाल के दिनों में कई मध्यस्थ देशों ने 10-दिवसीय युद्धविराम और वार्ता का प्रस्ताव रखा है, लेकिन अभी तक दोनों पक्षों ने उस पर अंतिम सहमति नहीं दी है।

हमारी राय में युद्ध रोकने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम होंगेः तत्काल और सत्यापित युद्धविराम, ओमान, कतर, पाकिस्तान या अन्य स्वीकार्य मध्यस्थों की मौजूदगी में प्रत्यक्ष या परोक्ष वार्ता, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर पारदर्शी निगरानी और बदले में चरणबद्ध प्रतिबंधों में राहत, होरमुज़ जलडमरूमध्य में सुरक्षित समुद्री आवागमन की गारंटी, ताकि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति सामान्य हो सके और दोनों पक्षों द्वारा क्षेत्रीय सहयोगी समूहों के माध्यम से संघर्ष को और न बढ़ाने की प्रतिबद्धता। यदि युद्ध थमता है, तो दुनिया को कई मोर्चों पर राहत मिल सकती हैः कच्चे तेल और गैस की कीमतों में स्थिरता आएगी, महंगाई और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव कम होगा, मध्य पूर्व में व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का खतरा घटेगा, भारत सहित ऊर्जा आयातक देशों को आर्थिक राहत मिलेगी, वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता कम होगी। भारतीयवायु सेना भर्ती

हालांकि सबसे बड़ी चुनौती भरोसे की कमी है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पूर्व समझौतों के उल्लंघन का आरोप लगाते रहे हैं, इसलिए केवल युद्धविराम पर्याप्त नहीं होगा; उसके साथ ऐसा तंत्र भी चाहिए जो समझौते के पालन की स्वतंत्र निगरानी कर सके। हाल की घटनाओं से भी संकेत मिलता है कि युद्धविराम की कोशिशें बार-बार हिंसा बढ़ने से पटरी से उतर जाती हैं।

वस्तुतः अमेरिका-ईरान युद्ध का समाधान रणभूमि में नहीं, बल्कि वार्ता की मेज पर है। यदि दोनों पक्ष अपने अधिकतम राजनीतिक लक्ष्य छोड़कर न्यूनतम साझा हित–क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षित समुद्री मार्ग और परमाणु जोखिम में कमी–पर सहमत होते हैं, तभी दुनिया को स्थायी राहत मिल सकेगी।

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान संघर्ष अत्यंत जटिल और बार-बार उभरने वाला संकट है। इसके लंबे समय तक बने रहने के प्रमुख कारण हैंः दोनों देशों के बीच दशकों पुराना अविश्वास, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद, मध्य पूर्व में क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक प्रतिबंध, प्रतिरोधी कार्रवाइयाँ और प्रतिनिधि समूहों की भूमिका और घरेलू राजनीति, जो कई बार समझौते को कठिन बना देती है।फिर भी इतिहास बताता है कि लंबे और कटु संघर्ष भी अंततः बातचीत से समाप्त हुए हैं। अमेरिका और वियतनाम, अमेरिका और चीन, तथा शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और सोवियत संघ के संबंध समय के साथ बदले। इसलिए यह कहना कि यह संघर्ष कभी समाप्त नहीं हो सकता, उचित नहीं होगा। यदि दोनों पक्ष प्रत्यक्ष या परोक्ष संवाद बहाल करें, परमाणु मुद्दे पर सत्यापन योग्य समझौता करें, क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर सहमत हों, और बाहरी मध्यस्थों की भूमिका स्वीकार करें, तो तनाव में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

वास्तव में, अमेरिका-ईरान संघर्ष को 'पुरानी और बार-बार भड़कने वाली बीमारी' कहना उचित है–जिसका इलाज कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध अंततः स्थायी समाधान नहीं देता; टिकाऊ समाधान कूटनीति, विश्वास-निर्माण और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान से ही निकलता है। इस युद्ध का सबसे गंभीर और चिंताजनक पहलू यह है कि नागरिक ढांचे भी सुरक्षित नहीं बचे। कमोबेश दोनों पक्षों की ओर से गलतियां हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुसार अस्पताल, स्कूल, आवासीय क्षेत्र, बिजली, पानी और अन्य नागरिक ढांचे सामान्यतः संरक्षित होते हैं। लिहाजा किसी भी पक्ष को केवल सैन्य लक्ष्यों पर हमला करना चाहिए और नागरिकों को होने वाली क्षति को न्यूनतम रखने का दायित्व होता है। यदि किसी संघर्ष में नागरिक ढांचे पर हमले होते हैं, तो तीन महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्न उठते हैं: क्या वह वास्तव में सैन्य लक्ष्य था? क्या हमले में अनुपातिकता का पालन किया गया? क्या नागरिकों को बचाने के लिए सभी संभव सावधानियां बरती गईं? हालिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि इस संघर्ष में पुलों, ऊर्जा ढांचे तथा अन्य नागरिक सुविधाओं को भी नुकसान पहुँचा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। वहीं कुछ मानवाधिकार संगठनों और विधि विशेषज्ञों ने स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और आवासीय क्षेत्रों पर हमलों की स्वतंत्र जांच की मांग की है। इसी तरह, यदि ईरान द्वारा भी नागरिक क्षेत्रों, ऊर्जा या जल संयंत्रों अथवा अन्य असैन्य ढांचों को निशाना बनाया गया हो, तो वह भी अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन माना जा सकता है। युद्ध के नियम दोनों पक्षों पर समान रूप से लागू होते हैं। इसलिए, नागरिक ढांचे का सुरक्षित न रहना किसी भी पक्ष के लिए स्वतः उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रत्येक कथित हमले की स्वतंत्र जांच आवश्यक होती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कहीं युद्ध अपराध या अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन तो नहीं हुआ।

यदि अमेरिका यह दावा करे कि उसने अपने ऊपर हुए आसन्न हमले को रोकने के लिए आत्मरक्षा में कार्रवाई की, या संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत वैध आत्मरक्षा का अधिकार प्रयोग किया, तो वह युद्ध को कानूनी और नैतिक रूप से उचित ठहराने का प्रयास कर सकता है। दूसरी ओर, अनेक अंतरराष्ट्रीय विधि विशेषज्ञों का मत है कि यदि किसी सैन्य कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति न मिली हो, और तत्काल आत्मरक्षा की शर्तें स्पष्ट रूप से पूरी न होती हों, तो ऐसी कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर के विरुद्ध मानी जा सकती है। 2026 के संघर्ष के संदर्भ में 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञों ने अमेरिकी हमलों की वैधता पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं।

साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि यदि ईरान जानबूझकर नागरिकों, तटस्थ देशों या असैन्य ढांचों पर हमला करता है, तो वह भी अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन हो सकता है। युद्ध में दोनों पक्षों पर नागरिकों की सुरक्षा और युद्ध संबंधी नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है। अलबत्ता अमेरिका-ईरान युद्ध को बिना शर्त 'जायज' या 'नाजायज' कहना उचित नहीं होगा। इसकी वैधता इस बात पर निर्भर करती है कि क्या आत्मरक्षा की कानूनी शर्तें वास्तव में पूरी हुई थीं? क्या संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पालन किया गया? क्या युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान किया गया? इसी कारण इस संघर्ष की वैधता आज भी अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीति के विशेषज्ञों के बीच गहन बहस का विषय बनी हुई है।

तत्काल स्वास्थ्य लाभ के चक्कर में डॉक्टर शॉपिंग का नया चलन

> समय के साथ सोच में एक बड़ा बदलाव तेजी से यह देखने में आ रहा है कि यदि जुखाम, बुखार, खांसी जैसी सामान्य बीमारी में भी डॉक्टर की दवा से तत्काल राहत नहीं मिलती तो अब डॉक्टर बदलने में कोई गुरेज नहीं होता। देखा जाएं तो तुरंत स्वास्थ्य लाभ की प्रवृति के कारण डॉक्टर के ईलाज पर विश्वास में कहीं ना कहीं कमी देखने में आने लगी है और इसके परिणाम स्वरुप महानगरों में डॉक्टर शापिंग का नया ही चलन चलने लगा है। खासतौर से मरीज से मिलने-मिलाने वाले चिकित्सक बदलने की सलाह देने में किसी तरह का कोई गुरेज नहीं करते।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

चिकित्सक बदलने में कोई बुराई नहीं है पर जिस चिकित्सक से ईलाज करवा रहे हैं उससे बीमारी ठीक होने की संभावना के संबंध में चर्चा करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अन्य चिकित्सक की सलाह लेना और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करके चलना होगा। बीच ईलाज ही बार बार डाक्टर बदलने के कई साइड इफेक्ट से भी दो चार होना पड़ता है और कई बार तो डॉक्टर बदलने का यह प्रयोग ईलाज पर विपरीत प्रभाव और गंभीर संकट में डाल देता है। मिसाल के तौर पर सामान्य खांसी की बीमारी या पेट में गड़बड़ या वाइरल बुखार होने पर जब डॉक्टर द्वारा दवा का जो कोर्स दिया जाता है उसके पूरा होने के पहले ही यानी की मान लो पांच दिन का कोर्स दिया है तो तीसरे दिन ही अधीर होकर दूसरे डॉक्टर की शरण में जाना आम होता जा रहा है। हांलाकि यह प्रवृति कुछ ही लोगों में है पर महानगरों और बड़े शहरों में इस तरह की प्रवृति जिस तेजी से बढ़ती जा रही है वह गंभीर चिंता का सबब बनती जा रही है। चिकित्सकीय भाषा में कहा जाए तो यह प्रवृति शापिंग का एक नया रुप डॉक्टर शापिंग के रुप में तेजी से फैलती जा रही है। हो यह रहा है कि इसके साइड इफेक्ट से अनजान होकर आगे बढ़ रहे है।

डॉक्टर शापिंग का कंसेप्ट बीसवीं सदी में नशीली दवाओं की प्राप्ति के लिए किये जाने वाले प्रयासों के लिए चलन में आया था। नशीली दवाओं के आदतन लोग एक से दूसरे डॉक्टर के पास परचा लिखवाने इसलिए जाते थे ताकि नशीली दवाओं का संग्रह कर सके। क्योंकि नशीली दवा एक सीमा तक ही मिलती थी और बिना चिकित्सक के परचे के मिलना लगभग मुश्किल होता था। यही कारण है कि देश और विदेश में नित नए डॉक्टर से परचा लिखवाना और केमिस्ट से दवा प्राप्त करना आम होता जा रहा था। खासतौर से रोक वाली दवाओं को लेकर के यह प्रक्रिया अपनाई जा रही थी। हांलाकि इस प्रवृति को रोकने के लिए कई देशों में कानूनी प्रयास किये गए और कुछ हद तक इस पर अंकुश भी लग सका। अमेरिका जैसे देश में इसके लिए डॉक्टर शापिंग लॉ जैसी व्यवस्था की गई। खैर अब चिकित्सा सुविधा के विस्तार और सहजता के साथ ही डॉक्टर शापिंग का कंसेप्ट बदलता जा रहा है।

हो यह रहा है कि जब कोई मरीज यह महसूस करता है कि चिकित्सक की दवा से उसकी बीमारी में तेजी से सुधार नहीं हो रहा तो वह ईलाज के बीच ही दूसरे डॉक्टर की शरण में चले जाता है। खासतौर से यह प्रवृति महानगरों और बड़े शहरों में अधिक तेजी से फैल रही है। इसका कारण यह है कि आज सलाहकारों की लंबी फौज होने के साथ ही रोगी या रोगी के परिजन मैजिक टच की सोच रखने लगे हैं। दूसरा यह कि अब चिकित्सा सुविधा का भी तेजी से विस्तार हुआ है। निजी और सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा की सहज उपलब्धता होने के साथ ही मेडिक्लेम जैसी सुविधाएं प्राप्त होने लगी है। सरकारी और निजी विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता के कारण भी यह होने लगा है। बीमारी चाहे सामान्य हो या गंभीर तत्काल सुधार नहीं दिखने पर दूसरे डॉक्टर को दिखाने चले जाते हैं और डाक्टर बदलने का तत्काल जो प्रभाव पड़ता है वह रीसेट बटन होता है यानी कि दूसरा डॉक्टर फिर अपने तरीके से पहले जॉचों का सिलसिला आरंभ करते हैं क्योंकि पहले की डॉक्टर द्वारा कराई गई जांचों में किसी ना किसी तरह की कमी या अन्य कारण बता कर दुबारा से जांचें करवानी पड़ती है। इसके लिए रक्त जांच से लेकर रोग के अनुसार एक्सरे, एमआरआई या अन्य तरह की जांचें भी हो सकती है। इससे बार बार जांच और एक्सरे किरणों से दो चार होने के साथ ही रुपये पैसे का भार भी पड़ता है। एक तरह से बीमारी के पहचान की नए सिरे से प्रक्रिया आरंभ होती है। दवा का नया सिलसिला आरंभ होता है और पूर्व में चल रही एंटिबायोटिक या अन्य दवाओं के स्थान पर जेनेरिक दवाओं के ही दूसरे ब्राण्ड की दवा दी जाती है व कई बार तो पॉली फार्मेसी जैसी स्थिति हो जाती है। दवाओं के असर पर विपरीत प्रभाव की संभावनाओं से भी नहीं नकारा जा सकता। ऐसे में सुधार के स्थान पर जटिलताओं की संभावनाओं से नहीं नकारा जा सकता।

डॉक्टर शापिंग के इस दौर में अन्य चिकित्सक की विशेषज्ञ सलाह लेने और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करना होगा। अन्य विशेषज्ञ की सलाह को तो ईलाज कर रहे चिकित्सक को विश्वास में लेकर लेने से ईलाज में और अधिक सकारात्मकता आती है पर बार बार चिकित्सक बदलना उचित नहीं माना जा सकता। होना यह चाहिए कि जिस चिकित्सक का ईलाज चल रहा है उससे ईलाज के संबंध में स्वयं रोगी या परिजनों द्वारा बीमारी और उसके ईलाज को लेकर विस्तार से चर्चा की जानी चाहिए। यह भी मालूम कर लेना चाहिए कि दवा का असर किस तरह का और कितने समय में दवा असर दिखाना शुरु कर देगी। चिकित्सक को भी मरीज को विश्वास में लेकर आवश्यक सभी जानकारी दे देनी चाहिए, जिससे ईलाज को लेकर किसी तरह के भ्रम के हालात ना रहे। अन्य चिकित्सक से प्राप्त की गई विशेषज्ञ सलाह को भी ईलाज कर रहे चिकित्सक से साझा कर लेना चाहिए। ईलाज कर रहे चिकित्सक की सलाह या रेफर करने पर ही अन्य चिकित्सक की और रुख करना चाहिए। नए चिकित्सक को भी रोगी का रोग कार्ड से पूरी तरह अवगत होते हुए क्या दवा चल रही है? कब से चल रही है? और रोगी के रोग का इतिहास से अवगत कराना चाहिए। डॉक्टर शापिंग को फैशन के रुप में नहीं लिया जाना चाहिए अन्यथा अनावश्यक जांचों, दवाओं, डाक्टरों की नित नई फीस आदि का नुकसान तो उठाना पड़ता ही है। इसके साथ ही अन्य दुष्परिणामों से नहीं नकारा जा सकता।

जयराम हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : कतरास थाना क्षेत्र के ईस्ट बसुरिया ओपी अंतर्गत सोरीटांड़कौशलपुरम के पास हुई सनसनीखेज हत्या की गुत्थी पुलिस ने २४ घंटे के भीतर सुलझा ली है। इस मामले में गठित एसआईटी ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल खून से सना लोहे का पाइप, पत्थर, बाइक, मृतक का मोबाइल, एटीएम कार्ड और अन्य सामान बरामद किया गया है।

इस संदर्भ में धनबाद के ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत २३ जुलाई की शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि सोरीटांड़, कौशलपुरम के समीप झाड़ियों के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि मृतक के सिर और चेहरे को पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या की गई थी। घटनास्थल से कुछ दूरी पर मृतक की टाटा नेक्सन कार भी बरामद हुई। जांच के दौरान शव की पहचान बरवाअड्डा निवासी ५७ वर्षीय जयराम मांझी के रूप में हुई। मृतक की पत्नी की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ग्रामीण एसपी द्वारा एसआईटी का गठन किया गया। बाघमारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत विमल के नेतृत्व में छापेमारी कर पुलिस ने तेतुलमारी के खास सिजुआ निवासी कुंदन कुमार और प्रेम चौहान उर्फ पुष्पा को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सना लोहे का पाइप, पत्थर, मोटरसाइकिल, मृतक का मोबाइल, सिम, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड समेत अन्य कागजात बरामद किए गए। साथ ही दोनों आरोपियों के खून लगे कपड़े और मोबाइल भी पुलिस ने जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपित कुंदन कुमार किसी ऑनलाइन गेमिंग का आदि था और वह किसी प्राइवेट कंपनी में काम करता था। जिससे उसे पैसों की तंगी रहती थी। वहीं मृतक जयराम मांझी एक बीसीसीएल कर्मी था और वह तेतुलमारी में कार्यरत था, दोनों में दोस्ती हुई, लेकिन कुंदन की नजर मृतक के पैसों पर थी और वह उसके पैसों को किसी भी हालत में लेना चाहता था, इसके लिए उसने प्रेम चौहान की मदद ली और सुनियोजित तरीके से जयराम मांझी की हत्या की। लेकिन आरोपी मृतक के पैसों को नही निकाल सके। पुलिस के अनुसार, मामले के खुलासे में एसआईटी की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी जांच की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात

धनबाद (कासं) : धनबाद भाजपा की ओर से झारूडीह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के विभिन्न मंडलों के कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। इस दौरान धनबाद विधायक राज सिन्हा भी मौजूद रहे और कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री के संदेशों को जनजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। झारूडीह में आयोजित इस सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि भाजपा हर महीने के अंतिम रविवार को जिले के विभिन्न बूथों पर सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करती है, ताकि प्रधानमंत्री के विचार अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें। उन्होंने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री ने युवाओं की भूमिका, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, देश के सामने आने वाली चुनौतियों, संस्कृति और विरासत जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस के मद्देनज़र प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने और स्वदेशी हैंडलूम व हैंडक्राफ्ट, विशेष रूप से खादी उत्पादों को अपनाने और खरीदने की अपील की।

सीआईएसएफ के डीआईजी ने एरिया6 का किया निरीक्षण

धनबाद (कासं) : सीआईएसएफ के डीआईजी ने बीसीसीएल के एरिया६ (धनसार) के विभिन्न संवेदनशील खनन एवं सुरक्षा स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ऐना माइंस, ऐना कोल डंप, काली मंदिर इंडस्ट्री बस्ती, एसएनआर माइंस, जेपैच माइंस, विश्वकर्मा कोल डंप तथा चेक पोस्ट क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं कोयला चोरी की रोकथाम हेतु किए जा रहे सुरक्षा उपायों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपमहानिरीक्षक ने बीसीसीएल के महाप्रबंधक एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वार्ता कर कोयला चोरी, अवैध उत्खनन तथा संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु संवेदनशील क्षेत्रों में सुदृढ़ बैरिकेडिंग (फेंसिंग) कराने, आधुनिक सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य तकनीकी निगरानी उपकरण स्थापित करने तथा सीआईएसएफ एवं बीसीसीएल प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय एवं नियमित सूचना साझाकरण पर विशेष बल दिया। उपमहानिरीक्षक ने कहा कि कोयला चोरी एवं अवैध खनन पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए तकनीक आधारित निगरानी, प्रभावी समन्वय तथा निरंतर सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी एवं सतत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाजसेवी परशुराम सिंह काशी में हुए पंचतत्व में विलिन

सांसद, विधायक, समाजसेवी व संपादक ने दिया श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : कोयलांचल के जानेमाने अधिवक्ता सह उद्योगपति समाजसेवी परशुराम सिंह का अंतिम संस्कार मुक्ति के द्वार काशी विश्वनाथ की नगरी बनारस के गंगा घाट के किनारे मणिकर्निका घाट पर उनका अंतिम संस्कार मुखाग्नि देकर उनके पुत्र समाज सेवी सह उद्योगपति राजेश सिंह उर्फ बमी सिंह ने किया। धनबाद के सैकड़ों लोग उनके अंतिम संस्कार यात्रा में सम्मिलित है। धनबाद कुसुम विहार फेज २ आवास में भी उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा हुआ था। श्रद्धांजलि देने वालों में सांसद ढुल्लू महतो, झरिया विधायक रागिनी सिंह और धनबाद विधायक राज सिन्हा, समाजसेवी अरूण कुमार सिंह, पत्रकार अभय कुमार, ब्रह्मर्षि समाज के नेता राम प्रवेश सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सिंह आदि कई लोगों ने स्व. परशुराम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके पुत्र राजेश सिंह ने अपने पिता के कारोबार को बढ़ाया और साथ ही अपने स्व. पिता के तरह समाजसेवी की भूमिका में अग्रणी रहे। बिहार ऑबजर्वर के अखबार के संपादक गणेश मिश्रा ने भी अधिवक्ता परशुराम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान उन्हें स्वर्ग प्रदान करें। स्व. श्री सिंह अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये।

बीएलओ नमीता कुमारी एसआईआर में जनता का कर रही है सहयोग

धनबाद (कासं) : भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा झारखण्ड में एसआईआर की प्रतिक्रिया चलाई जा रही है। जिसमें धनबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर बीएलओ अपनी काम को निपटा रहे है। जहां हीरापुर अभयसुंदरी हाई स्कूल के बूथ नंबर १०७ पुराना बूथ ८२ पर लोग परेशान हो रहे है। मतदाताओं को भारी परेशानी हो रही है क्योंकि वहां बीएलओ लक्ष्मी देवी समय पर नहीं आती है। जिसके कारण एसआईआर फॉर्म भरने वालों में आक्रोश है। एसआईआर की प्रतिक्रिया २९ जुलाई तक है। आज खुद बिहार ऑबजर्वर के संपादक गणेश मिश्रा कुछ बूथों का हालचाल देखा। सबसे अच्छा रहा वार्ड २९ के डीपीएस स्कूल बूथ में शांतिपूर्ण ढंग से लोगों की समस्या का समाधान करवाया जा रहा था। इसी बूथ पर बीएलओ नमीता कुमारी अपने काम को शांतिपूर्ण ढंग से करते नजर आये। लोगों की समस्याओं को समाधान बताते हुए एसआईआर फॉर्म में हुए गलती को कैसे सुधारा जाय वह बता रही है। नमीता कुमारी के व्यवहार से एसआईआर फॉर्म भरने में आये लोग उनके कार्यो की तारीफ कर रहे थे कि सभी का फोन उठाती है और समय पर बूथ पर आती है साथ ही हर घर में फॉर्म वितरण करने खुद गयी थी। जिसके कारण जनता में प्रशंसा हो रही है।

जर्मनी में सिंदरी निवासी युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने की जांच की मांग

धनबाद (कासं) : धनबाद के सिंदरी निवासी तूफान मिश्रा का विगत ५ जुलाई को जर्मनी में निधन हो गया। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इसी संदर्भ में गांधी सेवा सदन में प्रेस वार्ता कर तूफान मिश्रा के छोटे भाई आकाश मिश्रा ने मीडिया को बताया कि तूफान मिश्रा पिछले १२ वर्षों से जर्मनी की एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। करीब पांच वर्ष पूर्व उन्होंने ओडिशा निवासी शुभाषनीता मिश्रा से प्रेम विवाह किया था। दोनों जर्मनी में रहकर निजी कंपनियों में नौकरी करते थे। उनका एक छोटा बच्चा भी है। मृतक की पत्नी शुभाषनीता मिश्रा के अनुसार, सीढ़ी से गिरने के कारण तूफान मिश्रा के सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे ब्रेन हेमरेज हो गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, मृतक के परिजनों का कहना है कि पतिपत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी वजह से उन्हें मौत की परिस्थितियों पर संदेह है। परिजनों ने आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके।परिजनों ने भारत सरकार और झारखंड सरकार से मांग की है कि तूफान मिश्रा का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव सिंदरी (धनबाद) लाया जाए, ताकि उनका अंतिम संस्कार और श्राद्ध कर्म यहीं संपन्न हो सके। साथ ही उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने की अपील की है। प्रेस वार्ता में आकाश मिश्रा और उनके पिता मौजूद थे।

राजपुत विचार मंच केंद्रीय कमिटी धनबाद के अध्यक्ष बने डी एन सिंह

धनबाद (कासं) : कोर्ट रोड हीरा-पुर स्थित एक निजी होटल में राजपूत विचार केंद्रीय कमिटी की एक अति आवश्यक बैठक रखी गई। बैठक की अध्यक्षता अरुण कुमार सिंह ने की जिसमें पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, अरविंद सिंह, दिनेश सिंह, की उपस्थिति में डी एन सिंह को राजपूत विचार मंच केंद्रीय कमिटी धनबाद का नया अध्यक्ष चुना गया। इस बैठक में धनबाद जिला से आए हुए राजपूत विचार मंच संगठन के लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें मुख्य रूप से सुधीर प्रसाद सिंह, केंद्रीय महामंत्री, राजेंद्र सिंह केंद्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष, अमित सिंह केंद्रीय उपाध्यक्ष, अभिमन्यु सिंह, एस के सिंह, अक्षयबर सिंह, विवेका सिंह, कृष्ण सिंह, विक्रम सिंह, दिलीप सिंह सहित समाज के गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

भामसं की अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक शुरु

धनबाद/रांची (कासं) : भारतीय मजदूर संघ की तीन दिवसीय कार्यसमिति बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करते हुए संगठन के अध्यक्ष एस मल्लेशम, महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांडे एवं भारतीय मजदूर संघ के पालक अधिकारी वी भग्गया के द्वारा रांची स्थित सरला बिरला यूनिवर्सिटी के सभागार में हुआ। बैठक के उद्घाटन सत्र में सरला बिरला के निदेशक सह राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय कार्य समिति बैठक में देश के सभी राज्यों, महासंघों से लगभग १५० प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, आगामी तीन दिनों में मजदूरों से संबंधित विभिन्न विषय पर प्रस्ताव लाए जाएंगे, जिसमें नये लेबर कोड को लेकर मजदूरों की स्थिति का मूल्यांकन करते हुए उसे पर प्रस्ताव पारित किया जाएंगे। कार्य समिति के उद्घाटन सत्र में संघ के अध्यक्ष ने कहा हम ऐसे समय में एकत्रित हुए हैं जब विश्व का श्रम जगत तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटलीकरण, गिग एवं प्लेटफार्म अर्थव्यवस्था, उत्पादन प्रणाल्यिों में परिवर्तन तथा वैश्विक आर्थिक चुनौतियां श्रमिक जगत के सामने नए प्रश्न खड़े कर रही हैं। ऐसे समय में भारतीय मजदूर संघ की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पांडेय ने दत्तोपंत ठेंगड़ी को याद करते हुए कहा कि वह कहा करते थे कि न्याय की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की सहायता करना ही अंत्योदय है यह केवल एक विचार नहीं बल्कि भारतीय मजदूर संघ की कार्य दिशा है समाज के अंतिम श्रमिक तक न्याय सुरक्षा और सम्मान पहुंचना ही हमारा ध्येय है। कार्यसमिति बैठक के शुभारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रदेश अध्यक्ष बलिराम यादव, प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष चंदन कुमार प्रसाद के साथसाथ प्रदेश के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण के द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य रूप से सुनील कुमार, अंगद उपाध्याय, रमाशंकर प्रसाद, एवं ब्रजकिशोर राम शामिल रहे। उक्त जानकारी धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के महामंत्री सह एपेक्स सुरक्षा समिति सदस्य बीसीसीएल के उमेश कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों के बीच सम्मान सह प्रमाण पत्र वितरण

धनबाद (कासं) : धनबाद के मानवाधिकार फोरम ने बिनोद बिहारी महतो चौक स्थित निजी होटल में नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान सह प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित किया।

सामारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद रहमान शामिल हुए। सैयद रहमान समेत सभी पदाधिकारियों को एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मानव अधिकार फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद रहमान ने बताया कि किस तरह फोरम समाज के शोषित पीड़ित या फिर वैसे लोगों की मदद करती है जिन्हें हक या अधिकार से वंचित रखा जाता है। समाज के लोग मानव अधिकार फोरम से जुड़ कर समाज में लोगों को अधिकारों और सम्मान का रक्षा कर सकते है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुदिस्ट कुमार ने कहा कि धनबाद जिला में अधिक से अधिक सदस्यों को इस संगठन में जोड़ा जा रहा है ताकि शोषितों वंचितों को अपनी लड़ाई लड़ने में इस संगठन का साथ मिले।

मौके पर जिलाध्यक्ष संगीत सिंह ने कहा कि आज हम सभी मानव अधिकार फोरम के नवनियुक्त पदाधिकारियों और सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। समाज के हितकारी और अधिकारों के लिए मजबूती से कार्य करने के लिए शुभकामना दी गई। सभी को मानव अधिकार फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सैयद रहमान, प्रदेश अध्यक्ष सुदिस्ट कुमार, जिलाध्यक्ष संगीत सिंह, महिला प्रदेश अध्यक्ष गीता देवी, स्टेट चेयरमैन अभिषेक पॉल, प्रदेश महासचिव मुख्तार अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनिल कुमार चौधरी, प्रदेश संगठन सचिव समेंद्र कुमार सिंह, कमल किशोर शर्मा डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन, महिला डिस्ट्रिक्ट वाइस प्रेसिडेंट गायत्री शर्मा, बोकारो महिला जिलाध्यक्ष बासमती देवी, धनबाद की महिला सदस्य पुनीता देवी, सुशीला देवी, पिंकी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई दी।

महिलाओं के अधिकारों की रक्षा व समान अवसर उपलब्ध कराना समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी : विधायक अरूप

धनबाद (कासं) : अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला संगठन (ऐपवा), धनबाद का चौथा जिला सम्मेलन एल.सी. रोड स्थित विवाह भवन में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन से पूर्व रणधीर वर्मा चौक से सम्मेलन स्थल तक विशाल जुलूस निकाला गया तथा पार्टी का झंडोत्तोलन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन ऐपवा की राज्य सचिव एवं सम्मेलन की पर्यवेक्षक कॉमरेड गीता मंडल ने किया,सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिला प्रतिनिधियों, सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न जनसंगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन की अध्यक्ष मंडली में कॉमरेड सरोज देवी, नमिता महतो, पिंकी देवी, सीमा पासवान एवं सायना परवीन शामिल थीं।

सम्मेलन में महिलाओं के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा, समानता, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आर्थिक एवं राजनीतिक भागीदारी तथा सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही महिलाओं के अधिकारों के सवाल पर संगठन को गांवमांव एवं मोहल्लों तक मजबूत करने तथा जनआंदोलनों को तेज करने का संकल्प लिया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराना लोकतांत्रिक समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि ऐपवा महिलाओं को संगठित कर उनके अधिकारों की लड़ाई को मजबूत कर रहा है। उन्होंने महिलाओं से सामाजिक अन्याय, भेदभाव और शोषण के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया तथा हर जनहित एवं लोकतांत्रिक आंदोलन में अपना सहयोग देने का भरोसा जताया। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि किसी भी समाज का समग्र विकास महिलाओं की बराबर भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

उन्होंने महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण पर बल देते हुए कहा कि ऐपवा जैसे संगठन महिलाओं को जागरूक एवं संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सम्मेलन की सफलता पर सभी प्रतिनिधियों एवं आयोजकों को बधाई देते हुए महिलाओं के सम्मान, समान अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े हर न्यायपूर्ण संघर्ष में साथ रहने का आश्वासन दिया। राज सह सचिव जयंती चौधरी ने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार तरीका से महिलाओं को दबाने एवं कुशलने का काम कर रहा है इसके खिलाफ सभी महिलाओं को एकजुट होने की आवश्यकता है, सम्मेलन में संगठन की आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा महिलाओं के अधिकारों एवं सामाजिक न्याय के मुद्दों पर व्यापक जनआंदोलन खड़ा करने का निर्णय लिया गया। सर्वसम्मति से ऐपवा की राज्य अध्यक्ष कॉमरेड सविता सिंह की देखरेख में २५ सदस्यीय जिला कमिटी का गठन किया गया। इसमें सरोज देवी को अध्यक्ष, पिंकी देवी, अंजू चटर्जी एवं सायना परवीन को उपाध्यक्ष, नमिता महतो को सचिव, सीमा पासवान को सह सचिव, गुड़िया सिंह को संयुक्त सचिव तथा अंजली पासवान एवं सुमन मरांडी को उप सचिव चुना गया। इसके अलावा दुर्गा देवी, ज्योति श्रीवास्तव, काजल महतो, लीला देवी, लक्ष्मी देवी, पूनम देवी, रीना राय, तनुजा खातून सहित अन्य सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया। हीरा सिंह को संगठन का सम्मानित अध्यक्ष बनाया गया,सम्मेलन का समापन महिलाओं के अधिकार, समानता, सम्मान और सामाजिक न्याय के संघर्ष को और अधिक व्यापक एवं मजबूत बनाने के संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य रूप से भाकपामाले जिला सचिव बिंदा पासवान, राज्य स्थाई समिति सदस्य कार्तिक प्रसाद, सुभाष चटर्जी, सम्राट चौधरी,विजय पासवान, राणा चट्टराज, बादल बाउरी आदि शामिल थे।

एसआईआर: जनभागीदारी, तकनीक और प्रशासनिक समन्वय से बोकारो बना प्रभावी क्रियान्वयन का मॉडल

बोकारो (ससे): भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान के सफल क्रियान्वयन में बोकारो जिला लगातार उल्लेखनीय प्रगति दर्ज कर रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा के नेतृत्व में प्रशासनिक समन्वय, तकनीकी नवाचार, नियमित मॉनिटरिंग एवं जनसहभागिता के माध्यम से जिले में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्यमतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का निर्बाध रूप से प्रयोग कर सके।

अभियान के तहत जिले के सभी बूथों पर बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया गया तथा उन्हें आवश्यक विवरणी अंकित कर समय पर प्रपत्र भरकर जमा करने के लिए प्रेरित किया गया। दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, असहाय एवं ट्रांसजेंडर मतदाताओं तक विशेष रूप से पहुंच सुनिश्चित कर समावेशी लोकतंत्र की भावना को और सशक्त बनाया गया।

डीईओ सह डीसी द्वारा प्रतिदिन वीडियो संवाद के माध्यम से सभी निर्वाचन अधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजरों एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ अभियान की समीक्षा की गई।

प्रपत्र वितरण, संग्रहण, डिजिटाइजेशन एवं भौतिक सत्यापन की प्रगति की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे अभियान को निरंतर गति मिली।

प्रगणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मोबाइल एप आधारित मॉनिटरिंग, नियमित समीक्षा एवं सतत फॉलोअप के कारण डिजिटाइजेशन कार्य में लगातार उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई।

एसआईआर-२०२६ को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। सोशल मीडिया, माइकिंग, पोस्टर-बैनर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों एवं मीडिया के सहयोग से मतदाताओं को अभियान की जानकारी दी गई। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित कर नागरिकों को इन्यूमरेशन फॉर्म भरने में सहायता उपलब्ध कराई गई।

मतदाताओं की सुविधा के लिए सहायता केंद्र एवं हेल्पलाइन की व्यवस्था की गई, जहां प्रपत्र भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी एवं अन्य निर्वाचन संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया। इससे मतदाताओं की भागीदारी में लगातार वृद्धि हुई।

अभियान के दौरान इन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण, डिजिटाइजेशन के कार्य में लगातार सुधार हुआ। जिला प्रशासन ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के लिए सुनियोजित रणनीति अपनाई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अंतिम चरण में भी सभी पदाधिकारी एवं कर्मी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

जिले में एसआईआर-२०२६ के तहत इन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) वितरण का कार्य ९८.३३ प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। विधानसभा क्षेत्रवार प्रगति में गोमिया में ९९.९९ प्रतिशत, बेरमो में ९९.९७ प्रतिशत, बोकारो में ९५.७४ प्रतिशत तथा चंदनकियारी में ९९.९९ प्रतिशत ईएफ का वितरण किया जा चुका है।

जिले में ईएफ डिजिटाइजेशन की प्रगति ९२.६२ प्रतिशत* तक पहुंच गई है। विधानसभा क्षेत्रवार स्थिति में गोमिया में ९८.४९ प्रतिशत, बेरमो में ९५.५७ प्रतिशत, बोकारो में ८६.२३ प्रतिशत तथा चंदनकियारी में ९५.९८ प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ प्रत्येक पात्र नागरिक को शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची से जोड़ने का महत्वपूर्ण अभियान है। यह केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं समावेशी बनाने का प्रयास है।

अभियान पूरा होने में अब मात्र ०३ दिन शेष हैं। यदि आपने अभी तक अपना इन्यूमरेशन फॉर्म नहीं भरा है, तो बिना विलंब इसे भरकर अपने संबंधित बीएलओ को अवश्य जमा करें। आपका एक छोटा-सा प्रयास आपके मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा तथा मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

बालिका एवं बालक वर्ग के खिलाड़ियों का डुमरी में स्वागत

डुमरी (ससे): रांची के खेलगांव में आयोजित द्वितीय राज्य स्तरीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता में गिरिडीह जिले ने इतिहास रच दिया है।

राज्य परियोजना निदेशक झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में गिरिडीह की बालक एवं बालिका दोनों टीमों ने चैंपियन बनकर जिले का नाम रोशन किया है।

प्रतियोगिता में राज्य के २४ जिलों की टीमों ने भाग लिया था।बालिका वर्ग के फाइनल में गिरिडीह ने सिमडेगा को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं बालक वर्ग के फाइनल में गिरिडीह की टीम ने रामगढ़ को पराजित कर खिताब जीता।विजेता बालिका टीम गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय औरा की है जबकि बालक टीम संत जॉन बिट्रो मिडिल स्कूल गांडेय की टीम है।विजेता टीम को रांची से गिरिडीह लौटने पर गिरिडीह जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों ने उनका डुमरी अनुमंडल कार्यालय परिसर में जोरदार स्वागत किया।इस अवसर पर गिरिडीह जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष उपेन्द्र प्रसाद महतो उपाध्यक्ष सरफराज अहमद महासचिव युगल किशोर महतो ने सभी विजेता खिलाड़ियों को उपहार एवं बुके देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी।वहीं संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यह गिरिडीह जिले के लिए गर्व की बात है कि गांडेय,बगोदर प्रखंड की टीमों ने राज्य स्तर पर जीतकर जिले का नाम रोशन किया। इसी तरह मेहनत करते रहें।आज आपने राज्य स्तर जीता है,कल राष्ट्रीय स्तर पर भी जीतकर लौटेंगे।

इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने फुटबॉल टीम के कोच बीरेश प्रसाद सिंह एवं अजीत कुजूर को भी बधाई दी।स्वागत समारोह में नरेश कुमार नागेश्वर मंडल, सदीक अली, खुर्शीद अंसारी, इम्तियाज अंसारी, आसिफ अंसारी, जगरनाथ ठाकुर, दीपक जैन, नागेश्वर महतो, महेन्द्र बिन्द आदि खेल प्रेमी उपस्थित थे।

विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

गिरिडीह (ससे): माननीय नालसा नई दिल्ली एवं माननीय झालसा, रांची के निर्देशानुसार आज गिरिडीह प्रखंड कार्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन कर आम लोगों के बीच हुआ करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण । कार्यक्रम का शुभारंभ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया*

माननीय नालसा नई दिल्ली एवं माननीय झालसा, रांची के निर्देश पर एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह के मार्गदर्शन में आज दिनांक २६ जुलाई २०२६ को विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन गिरिडीह प्रखंड कार्यालय में किया गया।

इस शिविर के माध्यम से गिरिडीह जिले के सुदूरवर्ती गांवो में रहने वाले आम ग्रामीणों को तत्काल लाभ मुहैया कराया गया, जिसमें आम जनों को केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ऑन द स्पॉट प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह श्री सफदर अली नैयर ने कहा कि माननीय नालसा, नई दिल्ली एवं माननीय झालसा, रांची के निर्देश पर आम जनों एवं समाज के अंतिम पायदान में रहने वाले लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए तथा उन्हें केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से इस जिला स्तरीय शिविर का आयोजन गिरिडीह प्रखंड मुख्यालय में किया जा रहा है। आम लोगों को केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ऑन द स्पॉट त्वरित लाभ प्रदान कराना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। आम लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह आम लोगों को त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क न्याय प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। जिला प्रशासन के सहयोग द्वारा चिन्हित लाभुकों को उनके आवेदनों पर त्वरित विचार करते हुए आज उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर उनके बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एल ए डी सी एस के चीफ नजमुल हसन ने कहा कि गिरिडीह जिला प्रशासन द्वारा माननीय झालसा, रांची एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह के समन्वय में आम लोगों को उनके वाजिब कानूनी हक को प्रदान कराना जिला प्रशासन का उत्तरदायित्व है। इसी कड़ी में आज गिरिडीह जिले के सभी विभाग इस कार्यक्रम में मुस्तैदी से काम करते हुए आमलोगों को विभिन्न प्रकार के सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर रहे हैं, और आगे भी जिला प्रशासन गिरिडीह न्यायपालिका के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए, इस प्रकार के कार्यक्रमों में अपनी सकारात्मक भागीदारी निभाने के लिए तत्पर हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी गिरिडीह ने इस कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली माननीय झालसा रांची के निर्देश पर आम लोगों के हितों की रक्षा के लिए एवं उन्हें सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ प्रदान कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह कृत संकल्पित है। गिरिडीह जिला क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति जो अपनी गरीबी और अशिक्षा के कारण संवैधानिक अधिकारों को एवं उचित न्याय पाने से वंचित हैं वे जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह में निःसंकोच संपर्क स्थापित कर सकते हैं, उन्हें त्वरित सुलभ एवं निःशुल्क न्याय देने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह सदैव तत्पर है। आम जनों ने इस दौरान पारा लीगल वॉलिंटियर्स के माध्यम से अपने-अपने प्रखंडों में जाकर अपना आवेदन समर्पित किया और उनके द्वारा समर्पित आवेदनों को संबंधित विभाग के द्वारा त्वरित निष्पादन करते हुए उन्हें लाभ प्रदान करने हेतु चिन्हित किया गया। आज २६ जुलाई, २०२६ को जिला स्तर पर आयोजित इस शिविर में न्यायिक पदाधिकारियों तथा कार्यपालिका के पदाधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न विभागों संबंधित योजनाओं का लाभ आमजनों को प्रदान कर उनके बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में गिरिडीह के प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित जिले एवं प्रखंड के विभिन्न विभागों के पदाधिकारीगण, पारा लीगल वॉलिंटियर्स, प्रखंड एवं अंचल के सभी कर्मचारीगण विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी गण ने तत्परता पूर्वक एवं सजग होकर के आम जनों को लाभ प्रदान किया गया।

प्रखंड से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह द्वारा आयोजित आज के इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं में लाभुकों को लाभ प्रदान किया गया, जिसमें इन लाभुकों को धनराशि एवं परिसंपत्तियों का वितरण आमलोगों के बीच किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कर्मचारीगण, जिला प्रशासन, मीडिया बंधुओं, पारा लीगल वॉलिंटियर्स एवं आम जनों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी महोदय ने कहा कि गिरिडीह जिले में यह अभूतपूर्व कार्य हुआ है।

अष्टानिका पर्व : मंत्रोच्चारण एवं भगवन आरती की गूंज से स्टेशन रोड गुंजायमान

डुमरी (ससे): जैन धर्म के दूसरे सबसे बडे महापर्व अष्टानिका, सम्मेद शिखर मधुबन और इसरी बाजार के बीसपंथी जिनालय में धूमधाम एवं भक्ति-भाव के साथ मनाया जा रहा है।

रविवार को मंत्रोच्चारण एवं भगवन आरती की गूंज से पूरा स्टेशन रोड व अहिंसा चौक गुंजायमान हो रहा।अहले सुबह से ही भक्त मंदिर परिसर में जुटने लगे।विधिवत जलाभिषेक, पूजन एवं आरती किया गया।छठे दिन की पूजा के मुख्य यजमान पीएनडी जैन उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन एवं उनकी धर्मपत्नी सीमा जैन पुत्री सिद्धि जैन, पुत्र श्रेयांश जैन एवं समस्त परिवार था,१००८ श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान के आज के पुण्यार्जक सौधर्म इंद्र-इंद्राणी प्रवीण जैन-रेखा जैन पुत्र प्रत्येश रितेश जैन,राजवीर जैन-रिद्धी जैन (शाहपुरा भिटोनी), सुकुमाल जैन-ज्योति जैन पुत्र हेमंत जैन पुत्री भाग्यश्री जैन,रजत जैन समस्त परिवार सुपुत्री जिनवाणी जैन, शहपुरा निवासी निधि जैन,रोबीन जैन एवं सान्या जैन इंद्र-इंद्राणी के रुप में दीप्तमान हो रहे थे।देवेश कुमार देव ने अष्टानिका पर्व के बारे में बताया कि कलयुगी संसार में जो मानव नंदीश्वर द्वीप में जाकर जिनों की पूजा अर्चना नहीं कर सकते वे अपने नजदीकी मंदिरों जिनालयों में ८ दिनों तक सारे कषायों से मुक्त होकर भगवन की वंदना करते हैं उन्हें वही पुण्य प्राप्त होता है जो नंदीश्वर द्वीप में होता है।इन आठ दिनों तक भक्त एकासन,कठोर उपवास और णमोकार मंत्र के जाप के द्वारा आत्मशुद्धि करते हैं।जैनियों का हर पर्व उपवास द्वारा काया शुद्धि,णमोकार मंत्र उच्चारण द्वारा मनः शुद्धि और पंच महामंत्रों के आचरण द्वारा मुक्ति मार्ग का प्रशस्तिकरण का संदेश देता है। पर्व की सार्थकता तभी है जब हम जिस भी व्यवसाय में हों धर्म के मार्ग से विरक्त न हों,अहंकार और धन एवं पद की लालसा में अति-आसक्त न हो तभी हम जैन धर्म और इसकी सुंदर संस्कृति को युगों-युगों तक जीवंत रख सकते हैं।

महापर्व अष्टानिका के महा-आयोजन में वीरेंद्र शास्त्री जी,मंजू दीदी,अंजू दीदी अधिवक्ता अशोक जैन जैन मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन, सोम जैन,पारस जिनेश जैन, प्रिय जिनेश जैन, जिनेश जैन, दीपक जैन,डा विवेक जैन, मयंक जिनेश जैन,रश्मि जैन, सांझी जैन, पूरवी जैन, आतिश जैन,पारस जैन, उदित जैन, अनीता जैन,सुषमा जैन, नीता जैन, मीना जैन, सलोनी जैन, राजुल जैन,विशाल जैन,श्रेयांश जैन, रजत जैन, सुबोध जैन, अंश जैन,नेमचंद जैन, सरिता जैन, मधु जैन,हर्ष जैन,दीपा जैन, रवीन्द्र जैन,कल्पना जैन, वेदिका जैन,वेदांत जैन, शोभना आरजू जैन आदि समस्त जैन धर्मावलम्बी तन-मन से लगे हुऐ हैं।अंतिम दिन शोभा यात्रा निकाली जाऐगी।

बीआईटी में एलुमनाई मीट का आयोजन

बलियापुर (ससे) : बीआईटी सिंदरी के पूर्व छात्रों के संगठन बीआईटीसाना एनजे द्वारा एलुमनाई मीट २०२६ का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें १९६० से २०१७ बैच तक के ५० से अधिक पूर्व छात्र-छात्राओं एवं उनके परिवारों ने भाग लिया।अध्यक्ष अल्का सिंह (१९८६ बैच) एवं सचिव विनय सिंह (१९८५ बैच) ने संगठन की गतिविधियों व भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई तथा मधुकर प्रसाद (१९६२ बैच) एवं मृत्युञ्जय सिंह (१९६६ बैच) को उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में होलटेक इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. के. पी. सिंह ने प्रेरणादायी संदेश देते हुए एलुमनाई से संस्थान के विकास में सहयोग का आह्वान किया।समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं बीआईटी सिंदरी के विकास में योगदान के संकल्प के साथ हुआ।

क्ति वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में बोकारो इस्पात संयंत्र ने रचा स्वर्णिम इतिहास

बोकारो (ससे) : वित्त वर्ष २०२६-२७ की प्रथम तिमाही बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुई है। इस अवधि में संयंत्र ने उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन करते हुए उत्पादन, परिचालन दक्षता तथा टेक्नो-इकोनॉमिक प्रदर्शन के अनेक प्रमुख मानकों पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जो परिचालन उत्कृष्टता तथा सतत विकास के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध करते हैं।सुदृढ़ परिचालन रणनीति, प्रभावी लागत नियंत्रण तथा उत्कृष्ट उत्पादन प्रदर्शन के बल पर बोकारो इस्पात संयंत्र ने प्रथम तिमाही के दौरान उल्लेखनीय वित्तीय उपलब्धियाँ अर्जित कीं। संयंत्र का परिचालन राजस्व (ऑपरेशनल रेवेन्यू) ९.३७ प्रतिशत बढ़कर ₹५,३७६ करोड़ से ₹५,८८० करोड़ हो गया। इसी प्रकार, ईबीआईटीडीए में ₹५६६ करोड़ की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई और यह ₹५८८ करोड़ से बढ़कर ₹१,१५४ करोड़ पर पहुँच गया, जो सेल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में सर्वोत्तम प्रदर्शन है। ईबीआईटीडीए मार्जिन भी १०.९४ प्रतिशत से बढ़कर १९.६२ प्रतिशत हो गया, जो बेहतर परिचालन दक्षता एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग को दर्शाता है। यह भी सेल के सभी संयंत्रों में सर्वाधिक है।

लाभ कर पूर्व (पीबीटी) में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए यह ₹९७.८२ करोड़ से बढ़कर ₹७१५.५७ करोड़ हो गया, जो संयंत्र के सुदृढ़ वित्तीय एवं परिचालन प्रदर्शन का प्रमाण है।उत्पादन के क्षेत्र में भी संयंत्र ने स्थापना काल से अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम तिमाही का प्रदर्शन किया। इस अवधि में ओवन पुशिंग्स, ग्रॉस सिन्टर, हॉट मेटल, क्रूड स्टील तथा कुल विक्रय योग्य कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर सेलएबल) के उत्पादन में नए प्रथम तिमाही रिकॉर्ड स्थापित किए गए।

इसके साथ ही सिन्टर मशीन उत्पादकता, कोक रेट तथा ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता जैसे प्रमुख परिचालन मानकों ने भी संयंत्र के स्थापना काल से अब तक की सर्वोच्च प्रथम तिमाही उपलब्धियाँ दर्ज कीं। वित्त वर्ष २०२६-२७ की प्रथम तिमाही के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र ने टेक्नो-इकोनॉमिक मानकों में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए। कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) दर बढ़कर ९६ किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल (किग्रा./टीएचएम) हो गई, जिसने वित्त वर्ष २०२५-२६ की चौथी तिमाही में प्राप्त ९५ किग्रा./टीएचएम के पिछले सर्वश्रेष्ठ स्तर को पीछे छोड़ दिया। सीडीआई दर में वृद्धि से कोक की खपत कम होती है तथा ब्लास्ट फर्नेस की दक्षता एवं लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होता है।

इसी प्रकार, विशिष्ट ऊर्जा खपत (स्पेसिफिक एनर्जी कंजम्प्शन) को घटाकर ६.३१४ जी-कैल प्रति टन क्रूड स्टील (जी-कैल/टीसीएस) के नए स्तर पर लाया गया, जो वित्त वर्ष २०२५-२६ की चौथी तिमाही में

प्राप्त ६.३२८ जी-कैल/टीसीएस के पूर्व रिकॉर्ड से बेहतर है। यह उपलब्धि संयंत्र द्वारा ऊर्जा दक्षता एवं प्रक्रिया अनुकूलन की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों को दर्शाती है।

प्रथम तिमाही के दौरान विभिन्न उत्पादन एवं परिचालन क्षेत्रों में अनेक मासिक उपलब्धियाँ भी दर्ज की गईं। अप्रैल २०२६ में रॉ मटेरियल हैंडलिंग प्लांट (आरएमएचपी) ने १६,६५३ वैगनों के माध्यम से ११.७ लाख टन कच्चे माल की अनलोडिंग कर नया मासिक रिकॉर्ड स्थापित किया, जबकि इससे पूर्व जनवरी २०२६ में १५,२२३ वैगनों के माध्यम से १०.७ लाख टन कच्चे माल की अनलोडिंग का रिकॉर्ड था। जून २०२६ में कोक ओवन विभाग ने प्रतिदिन औसतन ५३१ ओवन पुशिंग्स का नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसने मार्च २०२६ में बनाए गए ५३० ओवन पुशिंग्स प्रतिदिन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। कोल्ड रोलिंग मिल ने रूट-२ के शटडाउन के बावजूद अप्रैल २०२६ में ५२,००९ टन सेल योग्य कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर सेलएबल-ख) का उत्पादन कर मार्च २०२६ के ५०,९७५ टन के पूर्व रिकॉर्ड को पार कर लिया। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में भी जून २०२६ में विशिष्ट ऊर्जा खपत घटकर ६.२७४ जी-कैल/टीसीएस के नए मासिक सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुँच गई, जो मार्च २०२६ में प्राप्त ६.२९० जी-कैल/टीसीएस के पूर्व रिकॉर्ड से बेहतर है।

प्रथम तिमाही के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र ने जल संरक्षण तथा प्रक्रिया जल के अधिकतम दक्ष उपयोग पर विशेष बल देते हुए जल संसाधन प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाया। विभिन्न जल संरक्षण उपायों एवं प्रक्रिया जल के अनुकूलित उपयोग के परिणामस्वरूप विशिष्ट जल खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई, जो संयंत्र में संसाधनों के सतत एवं अनुशासित उपयोग को प्रतिबिंबित करती है। जल उपयोग दक्षता में इस सुधार के कारण जल प्रभार (वॉटर चार्जेज) में भी कमी आई।इस अवधि में संयंत्र ने दैनिक उत्पादन के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए। १७ मई २०२६ को संयंत्र ने २२,५१६ टन ग्रॉस सिन्टर का अब तक का सर्वाधिक दैनिक उत्पादन दर्ज किया, जिसने १ मई २०२६ को स्थापित २२,४७२ टन के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसी प्रकार, चार ब्लास्ट फर्नेस संचालन के अंतर्गत २२ अप्रैल २०२६ को १८,२०६ टन हॉट मेटल का उत्पादन कर नया दैनिक रिकॉर्ड स्थापित किया गया, जबकि इससे पूर्व २१ मार्च २०२६ को १८,१०७ टन का रिकॉर्ड था।

प्रथम तिमाही के दौरान सेकेंडरी सेल्स तथा कर्मचारी सहभागिता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की गईं। जून २०२६ में संयंत्र ने कोल केमिकल्स की ₹३८.९२ करोड़ की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की, जिसने सितंबर २०२४ में स्थापित ₹३५.९७ करोड़ के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। साथ ही, विपणन विभाग ने सेकेंडरी इस्पात के लंबित भंडार को हाल के वर्षों के न्यूनतम स्तर पर बनाए रखते हुए त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया। कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों के योगदान को सम्मानित करने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रथम तिमाही के दौरान संविदा कर्मियों के बीच उपहार कार्डों का वितरण भी किया गया।प्रथम तिमाही में प्राप्त यह उत्कृष्ट परिचालन प्रदर्शन सुरक्षा के प्रति संयंत्र की अटूट प्रतिबद्धता से भी समर्थित रहा। सेफ्टी फर्स्ट एंड ऑलवेज की कार्य संस्कृति के अनुरूप सेल के जीरो टॉलरेंस रूल्स का पूरे संयंत्र में सम्पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके साथ ही सतत सुरक्षा जागरूकता अभियान, नेतृत्व की सक्रिय सहभागिता, व्यवहार आधारित सुरक्षा पहल तथा नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से संयंत्र में जीरो हार्म की संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

वित्त वर्ष २०२६-२७ की प्रथम तिमाही में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ अर्जित करने के बाद बोकारो इस्पात संयंत्र वर्तमान वित्त वर्ष के आगामी महीनों में भी नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह तैयार है तथा सेल और देश की सतत प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु प्रतिबद्ध है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

अखिल भारतीय वैदिक गणित कार्यशाला संपन्न

धनबाद (कासं) : विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर अशोकनगर धनबाद में आयोजित अखिल भारतीय वैदिक गणित कार्यशाला में देश के विभिन्न विद्यालयों से ५७ गणितज्ञ उपस्थित थे।

विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने मीडिया को बताते हुए कहा कि अखिल भारतीय स्तर की यह कार्यशाला काफी लाभदायक रही। नवंबर २०२६ में संपन्न होने वाले अखिल भारतीय वैदिक गणित मेला के विषय में भी चर्चा की गई। श्री मिश्रा ने यह भी कहा कि विद्या भारती के ११ क्षेत्रों से आए विभिन्न वैदिक गणित शिक्षकों ने गणित के आसान प्रयोग एवं गणित प्रयोगशाला किस तरह समृद्ध हो इस विषय पर राष्ट्रीय अधिकारियों से बातचीत की। यह भी बताते चलें की राष्ट्रीय स्तर के अधिकारी प्रदीप कुमार एवं प्रसन्न साहू ने राजकमल के तीसरी कक्षा के ३० विद्यार्थियों को मौखिक गणित के टिप्स दिए। विद्या भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री राम अरावकर ने कहा कि गणित कठिन विषय है इस माइंड सेट को बदलना चाहिए। गणित को सरस एवं सरल बनाने का कार्य गणित शिक्षकों का ही है। ऐसा होने से बच्चे गणित से जुड़ेंगे और उसे कठिन विषय के रूप में नहीं लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि एक जिला में कम से कम गणित के ७ से १० प्रयोगशाला होने चाहिए। देशभर में वैदिक गणित विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने चाहिए। अगले वर्ष हम क्या सीखेंगे इसकी सोच पहले से ही विकसित करनी चाहिए। मेरा मानना है कि नवाचार को बढ़ावा मिले।

राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर के अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि किसी भी काम को करते समय प्रोबेबिलिटी पर ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों में यदि कॉन्सेप्ट डाल दिया जाए तो उनके लिए यह विषय कठिन नहीं होगा। उन्होंने देश स्तर के अधिकारियों एवं कार्यशाला में आए शिक्षक शिक्षिकाओं को धन्यवाद दिया एवं आभार प्रकट किया। आभार ज्ञापन वैदिक गणित के संयोजक देवेंद्र राव देशमुख ने किया। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे पुस्तक से आगे हैं, हम कमजोर पड़ रहे हैं। यहां हम का अर्थ वैदिक गणित के शिक्षकों से है। इस कार्यशाला में विद्या भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री राम अरावकर, क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्याली राम, संयोजक देवेंद्र राव देशमुख, झारखंड प्रांत के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा, विभाग प्रमुख नीरज कुमार लाल, विद्यालय के अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान, प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, उप प्राचार्या लीला सिंह एवं सभी प्रभारी उपस्थित थे।

ग्रामीणों के अधिकारों की लड़ाई में हर कदम पर साथ हैं : मेयर संजीव

धनबाद (कासं) : धनबाद के मधुबन क्षेत्र में मधुबन बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित जनसभा में धनबाद के मेयर संजीव सिंह शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और बीसीसीएल द्वारा कथित शोषण, विस्थापन, मुआवजा एवं अन्य अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर ग्रामीणों की बात विस्तार से सुनी। सभा को संबोधित करते हुए मेयर संजीव सिंह ने कहा कि मधुबन के ग्रामीणों की समस्याएं केवल स्थानीय मुद्दा नहीं, बल्कि उनके अधिकारों और सम्मान से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की पीड़ा को अनदेखा नहीं होने दिया जाएगा और उनके हक की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ी जाएगी। मेयर ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे जल्द ही बीसीसीएल के महाप्रबंधक (जीएम) से मुलाकात कर ग्रामीणों की समस्याओं, उचित मुआवजा, पुनर्वास एवं अन्य मांगों को प्रमुखता से उठाएंगे। यदि आवश्यक हुआ तो बीसीसीएल के सीएमडी से भी मिलकर इस पूरे मामले का समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर मधुबन के लोगों के अधिकारों का हनन स्वीकार नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों को उनका न्यायसंगत अधिकार मिले, इसके लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा और प्रशासन तथा बीसीसीएल के समक्ष उनकी आवाज मजबूती से रखी जाएगी। सभा में उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को विस्तार से रखते हुए मेयर से न्याय दिलाने की मांग की। मेयर संजीव सिंह ने सभी को भरोसा दिलाया कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से उठाएंगे और समाधान होने तक ग्रामीणों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। सभा में मधुबन बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

डैफोडिल्स एकाडेमी में मेधावी छात्र हुए सम्मानित

पुटकी (ससे) : डैफोडिल्स एकेडमी, करकेंद बाजार में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय चंडी चरण बनर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात सुमन सिंह एवं मिताली चटर्जी ने गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति दिये। विद्यार्थियों के द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान एवं मनमोहक नृत्य ने समारोह में चार चांद लगा दिए। विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी ने बताया कि कुल ५२ छात्रछात्रा दसवी बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिसमे ५० छात्रछात्रा सफलता प्राप्त किए। विद्यालय का परीक्षा परिणाम ९६ रहा। विद्यालय प्राचार्य ने इसका श्रेय शिक्षकशिक्षिका, छात्रछात्रा एवं अभिभावकों को दिए। छात्रछात्रा काफी उत्साहित एवं खुश नजर आ रहे थे। समारोह में लगभग ४५ विद्यार्थी उपस्थित रहे। इनमें पीयूष राज ने ९२ प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्राचार्य तापस बनर्जी ने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किये।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई और विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम एवं सफलता की ओर अग्रसर रहने की शुभकामनाओं

वार्ड 16 की समस्याओं को ले पार्षद के पास पहुंचे युवा समाजसेवी

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या १६ की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान को लेकर युवा समाजसेवी अरुण कुमार मंडल ने वार्ड पार्षद अरुणा कुमारी को आवेदन सौंपा। आवेदन में मुख्य रूप से क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की कमी और पेयजल संकट की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया है। अरुण कुमार मंडल ने बताया कि वार्ड के कई मोहल्लों में लंबे समय से स्ट्रीट लाइट खराब है या लगी ही नहीं है, जिसके कारण शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है। इससे खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों की आशंका भी बनी रहती है। इसके अलावा उन्होंने आवेदन के माध्यम से वार्ड के कई इलाकों में पेयजल की गंभीर समस्या की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया। लोगों को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। युवा समाजसेवी ने पार्षद से दोनों समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए कहा कि वार्डवासियों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किया जाए। वहीं पार्षद ने आवेदन प्राप्त कर समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।

कुसुम विहार में सावन महोत्सव का आयोजन, शामिल हुईं विधायक रागिनी

धनबाद (कासं) : धनबाद के कुसुम विहार स्थित आयोजित सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, धनबाद इकाई के सावन महोत्सव में झरिया विधायक रागिनी सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सावन की उमंग से सराबोर इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। धनबाद के कुसुम विहार स्थित आयोजित सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, धनबाद इकाई के सावन महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं झरिया विधायक रागिनी सिंह का संस्थापिका आरती झा, महासचिव एवं समूह प्रभारी मनोरमा झा तथा अन्य पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इसके बाद महिलाओं ने सावन के पारंपरिक लोकगीत, झूला उत्सव, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और मैथिली परंपरा की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। पूरे आयोजन में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि सावन का पावन महीना हमारी संस्कृति, आस्था और प्रकृति का प्रतीक है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने के साथसाथ महिलाओं को अपनी प्रतिभा और संस्कृति के प्रदर्शन का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना समाज की कल्पना अधूरी है और उनके सशक्तिकरण से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है।

उन्होंने सखी बहिनपा मैथिलानी समूह की संस्थापिका आरती झा, महासचिव मनोरमा झा एवं पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विधायक रागिनी सिंह ने उपस्थित महिलाओं के साथ आत्मीय संवाद किया, सावन महोत्सव की खुशियों में सहभागिता निभाई तथा सभी के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की कामना की।

पवित्रम सेवा धाम के कार्यकर्ताओं ने ली पर्यावरण रक्षा की शपथ

धनबाद (कासं) : कोयला नगरी धनबाद अब जल्द ही दुर्लभ और जीवनदायिनी औषधियों की खुशबू से महकने वाली है। धनबाद के कोयला नगर स्थित निर्माणाधीन पवित्रम सेवा धाम में चलाए जा रहे एक विशाल पौधारोपण अभियान के तहत अनेकों उपयोगी औषधीय पौधे और बीज लगाए गए। इस अवसर पर धनबाद के विधायक राज सिन्हा एवं जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने अत्यंत दुर्लभ एवं गुणी पौधे लक्ष्मीतरु का रोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके साथ ही संस्था के कार्यकर्ताओं ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के औषधीय बीज और पौधे रोपे।

पवित्रम सेवा परिवार के कार्यकारी अध्यक्ष संजय भरतिया ने बताया कि इस अनूठी पवित्रम औषधि वाटिका को तैयार करने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से दुर्लभ बीजों को विशेष रूप से मंगाया गया है। यह वाटिका न केवल पर्यावरण का संरक्षण करेगी, बल्कि युवाओं को हमारी प्राचीन व पारंपरिक औषधियों के चमत्कारी लाभों से परिचित कराकर घरघर आयुर्वेद के संदेश को धरातल पर उतारेगी। गौरतलब है कि पवित्रम सेवा परिवार पिछले कई वर्षों से आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। संस्था द्वारा समयसमय पर स्कूलों और कॉलेजों में स्वास्थ्य जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जाते रहे हैं। नागरिकों से अभियान में जुड़ने की अपील संस्था ने धनबाद के सभी जागरूक नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों और युवाओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की भावुक अपील की है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक आलोक प्रकाश, राज किशोर, संजय भरतिया, किरन सिन्हा, पवित्रम युवा शक्ति से अंकुर, विशाल, प्रखर, अनूप, पवित्रम मातृशक्ति संयोजिका मंजू अग्रवाल, वंदना, सुनीता, गोसेवा पात्र संयोजक रवि सरिया, सत्येंद्र, डॉ. संतोष सिंह, राकेश खंडेलवाल, एडवोकेट विवेक परितोष सहित अन्य सभी भाईयों एवं बहनों का अथक प्रयास व सराहनीय योगदान रहा।

ठाकुरबाड़ी के निर्माण कार्य में रोक

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर बीच बाजार स्थित ठाकुरबाड़ी की जमीन में हो रहे निर्माण कार्य पर गोविंदपुर पुलिस ने रोक लगा दी है। इस संबंध में ठाकुरबाड़ी के सभी श्रद्धालुओं की ओर से सेवादार राजेश शर्मा ने गोविंदपुर थाना प्रभारी को आवेदन दिया है। आवेदन में कहा गया है कि ठाकुरबाड़ी की जमीन गोविंदपुर की सार्वजनिक संपत्ति है। इसका रकवा करीब ७१ डिसमिल है। इस जमीन पर राम जानकी मंदिर निर्माण की योजना है। मंदिर का शिलान्यास पिछले वर्ष पूर्व हुआ है और इसका निर्माण आने वाले दिनों में होगा। श्री शर्मा ने कहा कि बगल के लोगों की ही इस जमीन पर पिछले कई वर्षों से गिद्ध दृष्टि लगी हुई है और लोग राम जानकी मंदिर की इस संपत्ति पर कैंजा करना चाह रहे हैं। कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर भी दिया है। इस संबंध में संपर्क करने पर पुलिस इंस्पेक्टर विष्णु प्रसाद राउत ने बताया कि गोविंदपुर की सार्वजनिक संपत्ति पर हो रहे निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है और जमीन पर कब्जा की कोशिश करने वालों को कागजात दिखाने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में अंचलाधिकारी को पत्र प्रेषित किया जाएगा। अंचल कार्यालय की ओर से मापी कर जमीन का मालिकाना तय करने की अपील की जाएगी। उक्त जमीन का जिनके पास कागजात होगा, वही काम करेंगे अन्यथा इस सार्वजनिक संपत्ति को किसी को हड़पने नहीं दिया जाएगा।

श्रीमद्भागवत कथा फूलों की होली के साथ संपन्न

गोविंदपुर (ससे) : साबलपुर में आठ दिनों से चल रही श्रीमद्भागवत कथा फूलों की होली के साथ संपन्न हो गई। समापन दिवस पर प्रवचन करते हुए कथा वाचक भागवत मर्मज्ञ सुरेन्द्र हरिदास ने कहा कि अपना और बच्चों का जन्मदिन होटलों में भव्य पार्टियां और दिखावा करने के स्थान पर अपने घर में विधिविधान से भगवान का पूजन, हवन, भजन, कीर्तन और संतों का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल फेसबुक पर हिंदू बनने से काम नहीं चलेगा। सच्चा सनातनी वही है जो अपने जीवन में धर्म, संस्कार, सेवा, सदाचार और भक्ति को अपनाए। कथा का समापन सुदामाकृष्ण प्रसंग सुनाने तथा ब्रज की फूलों वाली होली खेलने के साथ हुई। कथा को सफल बनाने में प्रमुख निर्मला सिंह, पूर्व उप प्रमुख डीएन सिंह, मंतोष साधू बाबा, तपन कुमार गोप, पारूल देवी, विनोद महतो, ऊतरा देवी, कमलेश गोप, माया देवी, धीरेन चंन्द्र महतो, अजीत झा, श्रीराम सिंह, राजकिशोर गोप, महेंद्र प्रसाद, राजू गोप, अमरजीत सिंह, हरि भजन गोप, नितेश गोप, सुभाष गिरि, गौतम गोप, अवधेश गिरि, शिवपूजन गोप, लखन लाल गिरि, सुरेश साव, ओमप्रकाश गिरि, कैलाश साव आदि समेत जियलगढ़ा पंचायत अंतर्गत साबलपुर एवं गोसाईंडीह गांव के समस्त ग्रामीणों का योगदान रहा। सोमवार को पूर्णाहुति, हवन, महाप्रसाद एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

चोरी कांड का पुलिस ने किया खुलासा, एक गिरफ्तार

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गोधर में हुई चोरी से संबंधित कांड का उद्भेदन केन्दुआडीह पुलिस के द्वारा कर लिया गया है।इस कांड में चोरी से संबंधित प्राथमिकी प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय प्रसाद के आवेदन पर कांड संख्या ६४/२६ दर्ज किया गया था। पुलिस के द्वारा कांड का उद्भेदन करते हुए चोरी गए एक टीवी,एक पंखा को बरामद कर लिया गया है तथा संलिप्त चोर निकित उराँव को गोधर मुंडा बस्ती निवासी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रमोद पांडेय ने जानकारी दिये कि एक डेक सहित अन्य चोरी गए समान की बरामदगी एवं अन्य संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है।

मार्शल आर्ट्स गर्ल्स ट्रेनिंग का प्रशिक्षण कक्षा शुरू

गोविंदपुर (ससे) : बालिकाओं को आत्मरक्षा के प्रति सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ गोविंदपुर द्वारा संचालित लायंस क्लब मार्शल आर्ट्स गर्ल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की प्रथम प्रशिक्षण कक्षा का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस पहल को समाज से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अब तक सौ से अधिक बेटियों ने प्रशिक्षण हेतु अपना पंजीकरण कराया है।

यह प्रशिक्षण प्रत्येक शनिवार को पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक बालिकाएँ आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के प्रारंभ में क्लब के अध्यक्ष लायन ईसा शमीम, सचिव लायन राकेश कुमार, कार्यक्रम प्रमुख लायन नूपुर जायसवाल, प्रशासक लायन राजेश जायसवाल तथा पूर्व अध्यक्ष लायन अनुराग प्रदीप का गुलाब का पुष्प एवं बैज (रोज़ बटन) भेंट कर स्वागत किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ कोच रंजीता कुमारी एवं कार्यक्रम प्रभारी शिवा कुमार महतो ने किया। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को आत्मरक्षा की प्रारंभिक तकनीकों का अभ्यास कराया गया तथा उन्हें अनुशासन, आत्मविश्वास और शारीरिक फिटनेस के महत्व से भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष लायन ईसा शमीम ने कहा कि आज के समय में प्रत्येक बेटी का आत्मरक्षा में प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। लायंस क्लब ऑफ गोविंदपुर का यह प्रयास बालिकाओं को आत्मविश्वासी, सशक्त और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपनी बेटियों को इस निःशुल्क प्रशिक्षण से जोड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उपस्थित अभिभावकों ने लायंस क्लब ऑफ गोविंदपुर की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

आईएसएम ने न्यूली इंडक्टेड विद्यार्थियों का किया स्वागत

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद में न्यूली इंडक्टेड अंडरग्रेजुएट (यूजी) और पोस्टग्रेजुएट (पीजी) विद्यार्थियों के लिए पेनमैन ऑडिटोरियम में ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। यूजी और पीजी विद्यार्थियों के लिए अलगअलग सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, रिसर्च कल्चर, इनोवेशन इकोसिस्टम, स्टूडेंट सपोर्ट सिस्टम और कैंपस लाइफ से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और उनसे संस्थान की १ सौ वर्षों की गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लेकर अपने भविष्य का निर्माण करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आईआईटीआईएसएम आज इंटरडिसिप्लिनरी शिक्षा के साथ-साथ क्रिटिकल मिनरल्स, क्वांटम टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल माइनिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित न रहें, बल्कि क्रिटिकल थिंकिंग, टीमवर्क और प्रॉब्लम सॉल्विंग जैसी क्षमताओं का विकास करें। उन्होंने कहा कि समाज को आईआईटी के ऐसे ग्रेजुएट्स की जरूरत है जो नई सोच के साथ समस्याओं का समाधान निकालें। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्टअप और उद्यमिता की ओर बढ़ने तथा जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने अकादमिक उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का भी संदेश दिया।

डीन (एकेडमिक) प्रो. अमित राय दीक्षित ने विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन प्रणाली, अकादमिक नियमों और इंटरडिसिप्लिनरी लर्निंग के अवसरों की जानकारी दी। डीन (इनोवेशन एंड कॉरपोरेट रिलेशंस) प्रो. आलोक कुमार दास ने विद्यार्थियों से इनोवेशन और रिसर्च की संस्कृति को अपनाने का आह्वान करते हुए संस्थान में उपलब्ध स्टार्टअप, इंडस्ट्री कोलैबोरेशन और इनोवेशन के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

डीन (स्टूडेंट्स वेलफेयर) प्रो. संजय कुमार मंडल ने विद्यार्थियों को हॉस्टल, काउंसलिंग, स्टूडेंट वेलफेयर योजनाओं, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और अन्य छात्र सहायता सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथसाथ मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने की अपील की।

मंत्री राधाकृष्णा किशोर ने परिसदन भवन में वाणिज्य-कर एवं योजना विभाग की समीक्षा की

गिरिडीह (ससे): झारखंड सरकार के माननीय मंत्री, वित्त विभाग, वाणिज्य-कर विभाग, योजना एवं विकास विभाग तथा संसदीय कार्य विभाग, श्री राधाकृष्णा किशोर के गिरिडीह आगमन पर परिसदन भवन में उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव एवं पुलिस अधीक्षक, डॉ. बिमल कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया।

स्वागत उपरांत माननीय मंत्री ने गिरिडीह, हजारीबाग एवं देवघर के अधिकारियों के साथ वाणिज्य-कर विभाग एवं योजना एवं विकास विभाग से संबंधित विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में राजस्व संग्रह की प्रगति, कर प्रशासन की कार्यप्रणाली, विभागीय उपलब्धियों, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, योजनागत व्यय, लक्ष्य प्राप्ति तथा भावी कार्ययोजना की बिंदुवार समीक्षा की गई।

माननीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, जवाबदेही एवं सतत निगरानी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारियों को राजस्व संग्रह में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी रणनीति अपनाने, कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने तथा करदाताओं को बेहतर एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों ने विभागवार प्रगति प्रतिवेदन एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया।

माननीय मंत्री ने विभिन्न योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कहा कि बेहतर समन्वय, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए राज्य के समग्र विकास एवं सुशासन के उद्देश्यों को साकार किया जाए। बैठक में गिरिडीह, हजारीबाग एवं देवघर के संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का पहला स्वर्ण पदक

ग्लसगो (ईएमएस): मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स २०२६ में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस ४८ किलो वेटलिफ्टिंग कॉम्पटीशन में १९० किलो (८५ किलो स्नैच + १०५ किलो क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड अपने नाम किया। भारत के अब ३ मेडल (१ गोल्ड, १ सिल्वर और १ ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस ६० किलो में २६४ किलो (१२१+१४३) वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता था। वहीं, शुक्रवार को झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज दिलाकर भारत को पहला मेडल दिलाया था। भारत अब मेडल टैली सातवें स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया १२ गोल्ड सहित २४ मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है। नीट पेपर लीक मामले में छात्रों का प्रदर्शन खत्म होने के एक दिन बाद पीएम मोदी ने परीक्षा सुधार के लिए हाईपावर टास्क फोर्स का गठन किया।

नावाडीह में पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह स्थित विनोद बिहारी महतो ग्रामीण स्टेडियम में जेएलकेएम की ओर से आयोजित पांच दिवसीय पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया।

जिसके बाद खिलाड़ियों से परिचय लेने व फुटबॉल में कीक मारकर खेल की शुरुआत कराई। यहां उद्घाटन मैच ११ ब्रदर्स डुमरी बनाम महाली ब्रदर्स मकोली के बीच खेला गया और डुमरी की टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए २ - ० से जीत दर्ज करने में सफल रही। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं कैरियर बनाने का है माध्यम है।

निरंतर अभ्यास व बेहतर प्रदर्शन कर खिलाड़ी बेहतर जिंदगी व्यतीत कर सकते है। उन्होंने खिलाड़ियों को हरसंभव मदद करने का भरोसा दिया। आयोजक कमेटी के अध्यक्ष संजय रोय एवं उप सचिव नीलकंठ महतो उर्फ मंडल ने बताया कि यह टूर्नामेंट का समापन ३० जुलाई को फाइनल मुकाबला के साथ किया जाएगा। फाइनल मुकाबला में विजेता टीम को ५१ हजार रुपये नगद व बड़ा कप तथा उपविजेता टीम को ३१ हजार रुपये नगद व छोटा कप देकर सम्मानित किया जाएगा।

यहां फुसरो नप के वार्ड पार्षद विनोद चौहान, आयोजक कमेटी के अध्यक्ष संजय रोय, कार्यकारी अध्यक्ष सूरज पांडेय, टीम मैनेजमेंट प्रवीण कुमार रवानी, सचिव जयराम महतो, उपाध्यक्ष संदीप झारखंडी, उप सचिव नीलकंठ महतो, कोषाध्यक्ष बालेश्वर महतो, विजय कुमार महतो, लक्ष्मण महतो आदि उपस्थित थे।

खरपीटो विद्युत सब स्टेशन में कर्नियों को बंधक बना लूटपाट करने वाला गिरफ्तार

नावाडीह (बेरमो)(ससे): नावाडीह पुलिस ने गुप्त सूचना पर लंबे समय से फरार चल रहे रामगढ़ जिला अंतर्गत रजरप्पा थाना क्षेत्र कुसुम तेतरिया निवासी सुगन साव उर्फ साव जी को गिरफ्तार कर शनिवार को तेनुघाट जेल भेज दी है। गिरफ्तार सुगन साव पर नावाडीह थाना क्षेत्र के खरपीटो विद्युत सब स्टेशन पर कर्मियों को बंधक बनाकर मारपीट करने व कीमती पार्टस चोरी करने का आरोप है। थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने बताया कि उक्त विद्युत सब स्टेशन में वर्ष २०२२ एवं २०२४ में कर्मियों को बंधक बनाकर आठ अपराधियों द्वारा कीमती पार्टस की चोरी कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने मामले में शामिल अन्य अपराधियों को पहले की गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

किन्तु घटना के मास्टर माइंड सुगन साव लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। तकनिकी सूचना एवं मानवीय आसूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर उसके निजी घर पर छापामारी करते हुए उक्त अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। यह भी बताया कि सुगन बालीडीह थाना की भी पुलिस एक मामले में सुगन को खोज रही थी। छापेमारी में अवर निरीक्षक मो शमीम, मिथलेश कुमार,भोला राउत शामिल थे।

लायंस क्लबों के पदाधिकारियों का स्कूलिंग कार्यक्रम संपन्न

गिरिडीह (ससे): लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२२ ए के रीजन ५ के १३ क्लबों के अध्यक्ष,सचिव ,कोषाध्यक्ष और पदाधिकारियों का स्कूलिंग कार्यक्रम लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट के द्वारा सेलिब्रेशन मैरिज हॉल सिरसिया गिरिडीह में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक गवर्नर लायन शुभ्रा मजूमदार थी तथा कार्यक्रम का संचालन जी एल टी कोऑर्डिनेटर लायन राहुल वर्मा किए। इस कार्यक्रम में ज़ोन चेयरपर्सन लायन प्रेम पाठक और लायन सतीश कुमार उपस्थित थे। पूर्व जिलापाल लायन सिद्धार्थ मजूमदार और लायन माधव लखोटिया, लायन गणेश सिंह , लायन दीपक चौबे तथा लायन प्रकाश अरोरा ट्रेनर के रूप में उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में गिरिडीह, देवघर , मधुपुर , दुमका, धनवार, इसरी , बगोदर झुमरी तिलैया के लायंस क्लब के ६० से अधिक पदाधिकारियों ने भाग लिया श्र कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ज़िलापाल लायन शुभ्रा मजूमदार ने डिस्ट्रिक्ट और इंटरनेशनल लक्ष्य को विस्तार से पदाधिकारियों को बतलाई। जी एल टी कोऑर्डिनेटर लायन राहुल वर्मा ने स्कूलिंग की आवश्कता पर प्रकाश डाला श्र तमाम ट्रेनर ने लायन पदाधिकारियों को अध्यक्ष सचिव तथा कोषाध्यक्ष के कार्यों और जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने सदस्यों से कहा कि मानव सेवा और सामाजिक सेवा के कार्यों को से करें कि इसका लाभ जरूरतमंदों को मिल सके। धन्यवाद ज्ञापन रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट के डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश कुमार गुप्ता क्लब अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन सचिव लायन डॉ सुमन कुमार कोषाध्यक्षलायन मसरूर आलम सिद्दकी लायन गौतम सागर लायन राहुल कुमार लायन दशरथ प्रसाद लायन उदय भदानी लायन राहुल कृष्णा लायन अरविंद कुमार लायन अवनीश अंशु सहित कई सदस्यों का अहम योगदान दिया।

अनहोनी का डर ऐसा कि मां अनीता नहीं देखतीं थी मोबाइल

संभाजीनगर(ईएमएस): कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके की अगुवाई में नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए विशाल विरोध प्रदर्शन के बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से उनके माता-पिता की महीनों पुरानी चिंता राहत और खुशी में बदल गई है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में स्थित अपने आवास पर अभिजीत के माता-पिता बेहद भावुक नजर आए और उन्होंने इस सफलता को युवाओं के संघर्ष और अपने बेटे की ईमानदारी की जीत बताया।

अभिजीत की मां अनीता दिपके ने खुशी के आंसू पोछते हुए कहा, मैं बेहद खुश हूं, उसकी ईमानदारी और युवाओं के समर्थन से यह बड़ी जीत हासिल हुई है। उन्होंने बताया कि जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू होने के बाद से वे ठीक से सो भी नहीं पाती थीं और हर सुबह फोन देखने से डरती थीं कि कहीं कोई बुरी खबर न मिल जाए। उन्होंने कहा, आज मेरी आंखों में जो आंसू हैं, वे खुशी के हैं। मैं उससे जल्द घर आने को कहूंगी, उसे कसकर गले लगाऊंगी और उसकी आरती उतारूंगी।

अभिजीत के पिता भगवानराव दिपके ने संघर्ष के दिनों के डर को साझा करते हुए बताया कि बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के राजनीति में कदम रखने के कारण पूरा परिवार लगातार डर के साए में जी रहा था। उन्होंने कहा, हम इतने डरे हुए थे कि जून में मैंने उसे अमेरिका से भारत न लौटने की सलाह दी थी। हम पर इतना दबाव था और धमकियां मिल रही थीं कि हम कुछ समय के लिए घर छोड़कर कोंकण चले गए थे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफ़ा छात्रों के संघर्ष व न्याय की मांग की जीत है : पप्पू कुमार

धनबाद (कासं) : जिला कांग्रेस कमिटी के मीडिया चेयरमैन सह प्रवक्ता पप्पू कुमार तिवारी ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा उन लाखों छात्रों के संघर्ष, लोकतांत्रिक आवाज़ और न्याय की मांग की जीत हैं, जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की लड़ाई लड़ी। लेकिन यह केवल शुरुआत है, क्योंकि देश आज भी उन २२ छात्रों की दर्दनाक आत्महत्याओं और आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुई बर्बरतापूर्ण कार्रवाई को नहीं भूला है। आगे उन्होंने कहा कि जब देश का युवा अपने भविष्य,पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और न्याय की मांग को लेकर सड़कों पर उतरा, तब उनकी पीड़ा सुनने के बजाय केंद्र सरकार ने हठधर्मितापूर्ण दमन का रास्ता चुना। छात्रों पर लाठीचार्ज, हिरासत, डराने-धमकाने और उनकी आवाज़ दबाने का प्रयास लोकतंत्र के माथे पर एक काला धब्बा है। आगे उन्होंने कहा कि मैं उन २२ छात्रों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने निराशा और व्यवस्था की विफलताओं के बीच अपनी जान गंवाई। उनकी मृत्यु केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। देश को यह जानने का अधिकार है कि इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी कौन लेगाहै। मैं उन सभी छात्र-छात्राओं को नमन करता हूँ जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखा। उनका साहस पूरे देश के लिए प्रेरणा है।

गरीब की बेटी ने रचा इतिहास

बलियापुर (ससे) : सिंदरी के रंगामाटी स्थित खटाल परिसर में रहने वाली छात्रा काजल कुमारी ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर आईआईटी पटना के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में प्रवेश प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। काजल, रमेश कुमार यादव व लखमुनी देवी की पुत्री हैं। उन्होंने एनएसी स्कूल, रंगामाटी से मैट्रिक और एसबीएम कॉलेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। आर्थिक अभाव के बावजूद अपनी मेहनत से उन्होंने यह सफलता हासिल की। इस उपलब्धि पर भाजपा नेता मनोज मिश्रा, विजय सिंह, रवि शर्मा, राजेश चौधरी व विजय नाहा ने उनके घर पहुंचकर अंगवस्त्र व उपहार देकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मनोज मिश्रा ने कहा कि काजल की सफलता साबित करती है कि हौसला और मेहनत से हर बाधा पार की जा सकती है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने किया सफल ऑपरेशन, मरीज की स्थिति स्थिर

बोकारो (ससे): सदर अस्पताल, बोकारो में ५० वर्षीय महिला की सफल एब्डोमिनल हिस्टरेक्टमी (बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन) की गई। ऑपरेशन विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। मरीज लंबे समय से स्त्री रोग संबंधी समस्या से पीड़ित थीं। आवश्यक चिकित्सीय जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श के बाद ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। शल्य चिकित्सा पूरी सावधानी और विशेषज्ञता के साथ संपन्न हुई। वर्तमान में मरीज की स्थिति स्थिर है तथा उन्हें चिकित्सकीय निगरानी* में रखा गया है।

ऑपरेशन का नेतृत्व स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि मेधा* ने किया, जबकि एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. पंकज सिन्हा ने एनेस्थीसिया प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाई। सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि सदर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से जटिल शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक की जा रही है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि स्त्री रोग संबंधी किसी भी समस्या की अनदेखी न करें तथा समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर उपचार कराएं।वहीं, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह ने कहा कि अस्पताल आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

करुणानिधि की पोती ने बैंक मैनेजर को मारा थप्पड़

चेन्नई,(ईएमएस): तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि की पोती और पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरी की बेटी कयालविजी एक बैंक अधिकारी से कथित मारपीट के मामले को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक सीसीटीवी वीडियो फुटेज में कयालविजी को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शाखा के प्रबंधक के साथ बहस करते और फिर उन्हें थप्पड़ मारते हुए देखा जा सकता है। घटना के बाद बैंक अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना २० जुलाई को चेन्नई के अड्यार स्थित एसबीआई की एनआरआई शाखा में हुई। बताया गया है कि कयालविजी शाखा प्रबंधक से मिलने उनके कार्यालय पहुंची थीं। बातचीत के दौरान दोनों के बीच इमारत में लगी लिफ्ट के रखरखाव को लेकर विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते तीखी बहस में बदल गया। वायरल वीडियो में कयालविजी पहले प्रबंधक से बहस करती दिखाई देती हैं और फिर अचानक अपनी सीट से उठकर उन्हें थप्पड़ मार देती हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब मैदान में ई20 जनता पार्टी

नई दिल्ली(ईएमएस): नीट पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब सोशल मीडिया पर ई२० जनता पार्टी नाम से एक नया डिजिटल अभियान तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस अभियान की मुख्य मांग है कि देशभर के पेट्रोल पंपों पर ई२० (२० प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) के साथ-साथ १०० प्रतिशत शुद्ध पेट्रोल का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि उपभोक्ता अपनी जरूरत और वाहन की अनुकूलता के अनुसार ईंधन चुन सकें। ई२० जनता पार्टी कोई राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर चल रहा एक कंज्यूमर राइट्स (उपभोक्ता अधिकार) अभियान है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर बने इसके हैंडल के जरिए ईंधन नीति में पारदर्शिता, सही जानकारी और उपभोक्ताओं को विकल्प देने की मांग उठाई जा रही है। अभियान का कहना है कि जैसे अन्य उत्पादों में ग्राहकों को कई विकल्प मिलते हैं, वैसे ही पेट्रोल खरीदते समय भी उन्हें अपनी पसंद का ईंधन चुनने का अधिकार होना चाहिए।

ई२० जनता पार्टी की मुख्य मांगें हैं-देश के हर पेट्रोल पंप पर ई२० के साथ १०० प्रतिशत शुद्ध पेट्रोल भी उपलब्ध कराया जाए। सरकार ई२० पेट्रोल को बंद न करे, बल्कि उपभोक्ताओं को दोनों विकल्प दे। अलग-अलग ईंधनों की स्पष्ट लेबलिंग की जाए। माइलेज, इंजन पर असर, प्रदूषण और रखरखाव लागत से जुड़े स्वतंत्र शोध सार्वजनिक किए जाएं। ईंधन नीति और एथेनॉल मिश्रण से जुड़े सभी आंकड़े पारदर्शी तरीके से जारी किए जाएं। अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि कई वाहन मालिकों ने ई२० पेट्रोल के उपयोग के बाद माइलेज में कमी, इंजन के प्रदर्शन और रखरखाव लागत को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि उपभोक्ताओं को पूरी जानकारी देकर फैसला लेने का अधिकार मिलना चाहिए।

सिद्धारमैया नहीं लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

बेंगलुरू(ईएमएस) : कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह २०२८ का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने शनिवार को मंड्या जिले के केआर पेट में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा- राजनीति अब पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह नहीं बची है।

रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर का पदस्थापना समारोह संपन्न

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह। रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर का २५वां पदस्थापना समारोह रविवार को उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वर्ष २०२५-२६ के पदाधिकारियों ने अपने दायित्व वर्ष २०२६-२७ के लिए नवगठित टीम को सौंपे। समारोह में रीजनल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन मुकेश तनेजा मुख्य अतिथि तथा गेस्ट ऑफ ऑनर रोटेरियन रवि चूड़िवाला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसका संचालन पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अभिषेक छापरिया ने किया। समारोह के दौरान वर्ष २०२६-२७ के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसमें रोटेरियन राजेन्द्र तरवे ने अध्यक्ष तथा रोटेरियन अनिल मिश्रा ने सचिव का पदभार संभाला। इसके अलावा क्लब के अन्य पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस अवसर पर क्लब ने वर्ष २०२६-२७ के लिए कई महत्वाकांक्षी सामाजिक परियोजनाओं की घोषणा की।

इनमें कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर, गरीब मरीजों के लिए नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा, किशोरियों के लिए क्क्षत टीकाकरण अभियान, ट्रक चालकों के लिए नेत्र जांच शिविर, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण जागरूकता कार्यक्रम, जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण, महिलाओं के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण, जरूरतमंद बच्चों को खिलौने उपलब्ध कराना, छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण, स्वरोजगार सहायता, शहर में सार्वजनिक स्थानों पर रोटरी गार्बेज बिन की स्थापना तथा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान शामिल हैं।

कार्यक्रम में रोटरी, इनर व्हील एवं लायंस क्लब के पदाधिकारियों सहित शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर द्वारा पिछले वर्षों में किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं और समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। वही मौके पर डायरेक्ट एंड पब्लिक इमेज विकास सिन्हा, विकास शर्मा दीपक कुमार संथालिया,ज्योति प्रकाश गुप्ता ,सुजय राज गुप्ता, अभिषेक छापरिया, सहित कई रोटेरियन मौजूद थे।

कारगिल युद्ध में उदितपुर गांव के रणबांकुरों ने पाकिस्तानी सेना को किया था पस्त

आनंदनगर,(ईएमएस): कारगिल में जब भारतीय सेना ने कारगिल की बर्फीली चोटियों पर विजय पताका फहराई थी, तब फरेंदा क्षेत्र का सैनिक गांव उदितपुर भी उस गौरवगाथा का साक्षी बना था। कारगिल युद्ध में गांव के सोनू गुरुंग, आनंद गुरुंग, मोहित गुरुंग, संदीप गुरुंग, कमल गुरुंग समेत जांबाज सैनिकों ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया था और पाकिस्तानी सैनिकों के हौसले पस्त कर दिए थे। आज भी कारगिल विजय दिवस आते ही क्षेत्र में उन रणबांकुरों की बहादुरी की गाथाएं गर्व के साथ सुनाई जाती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उदितपुर की पहचान केवल एक गांव नहीं, बल्कि सैनिक गांव के रूप में है। यहां करीब हर परिवार का कोई न कोई सदस्य भारतीय सेना में रहा है या वर्तमान में देश की सेवा कर रहा है। १९९८ में गांव के छह युवकों ने एक साथ भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा का संकल्प लिया था। १/४ गोरखा राइफल में सपाटू (शिमला) में कठिन प्रशिक्षण पूरा करने के बाद इन नौजवानों की तैनाती सीमावर्ती क्षेत्रों में हुई। १९९९ में जब पाकिस्तान ने कारगिल की चोटियों पर घुसपैठ की, तब उदितपुर के यह वीर जवान भी मोर्चे पर डट गए। टाइगर हिल व आसपास की ऊंची चोटियों पर दुश्मन की लगातार गोलाबारी के बीच उन्होंने अद्भुत साहस का परिचय दिया।

विषम परिस्थितियों में भी पीछे हटने के बजाय भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ते रहे। आखिरकार २६ जुलाई १९९९ को भारतीय सेना ने विजय का परचम लहराया और टाइगर हिल पर तिरंगा फहरा दिया। इस जीत में सैनिक गांव उदितपुर के रणबांकुरों का योगदान गांव ही नहीं, पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बना। गांव के लोगों के मुताबिक उदितपुर की सैन्य परंपरा प्रथम विश्व युद्ध के समय से चली आ रही है। पीढ़ी दर पीढ़ी यहां के युवाओं ने सेना की वर्दी पहनकर मातृभूमि की रक्षा को अपना सर्वोच्च धर्म माना है। यही वजह है कि आज भी गांव के बच्चों का पहला सपना देश की सेवा करना होता है।

सेवानिवृत्त मेजर सूबेदार व गांव मुखिया एसबी गुरुंग ने बताया कि गांव में देशभक्ति का जज्बा आज भी पहले जैसा ही है। वर्तमान में १९ सैनिक सेवानिवृत्त हो चुके हैं जबकि १६ से ज्यादा जवान सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों में देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। पूर्व सैनिक प्रतिदिन युवाओं को दौड़, शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा की तैयारी कराते हैं, ताकि गांव की गौरवशाली सैन्य परंपरा लगातार आगे बढ़ती रहे। हवलदार आनंद गुरुवार सेवानिवृत्त हो चुके है।

वहीं सूबेदार मोहित गुरुंग व सुबेदार सोनू गुरुंग पठानकोट में तैनात है। संदीप गुरुंग जम्मू कश्मीर व कमल गुरुंग देहरादून में सेवा दे रहे हैं।

नाराज अर्जुन राय ने छोड़ा राजद

मुजफ्फरपुर (ईएमएस) : बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और सीतामढ़ी के पूर्व सांसद अर्जुन राय ने पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने साफ कर दिया कि वह सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। उनके इस फैसले ने बिहार की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। रविवार को मुजफ्फरपुर के चांदनी चौक स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में अर्जुन राय ने अपने राजनीतिक भविष्य का ऐलान किया।

मन की बात में सीतामढ़ी की रिसाइक्लिंग बेंच का जिक्र

पटना (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के १३६वें संस्करण में बिहार के सीतामढ़ी में प्लास्टिक कचरे की रिसाइक्लिंग से तैयार की जा रही बेंच की सराहना की। उन्होंने इसे मजबूत, आरामदायक, इको-फ्रेंडली और 'वेस्ट टू वेल्थ' का बेहतरीन उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहल सिर्फ रिसाइक्लिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

प्रधानमंत्री की इस सराहना पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आभार व्यक्त किया। पटना के भगवान उत्सव हॉल, जगनपुरा में आयोजित कार्यक्रम में 'मन की बात' का लाइव प्रसारण सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार की सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय उत्पादों और जनजीवन से जुड़े विषयों का लगातार उल्लेख कर राज्यवासियों का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी की इस पहल का राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेख होना पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री सम्राट ने कहा कि प्रधानमंत्री की बात यह साबित करती है कि बिहार पर्यावरण संरक्षण और नवाचार के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा को और अधिक बढ़ावा देगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी ऐसी पहलों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार अपनी सांस्कृतिक धरोहर, कृषि उत्पादों और लोक परंपराओं के माध्यम से देश की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

प्रधानमंत्री द्वारा इन प्रयासों को राष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलने से प्रदेशवासियों का उत्साह और बढ़ा है

विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनीं अनाहत सिंह, मोद ने दी बधाई

पटना (एजेंसी): भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप २०२६ का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। फाइनल मुकाबले में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए ३-० से जीत दर्ज की और जूनियर विश्व स्क्वैश चैंपियन बनने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन गई। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

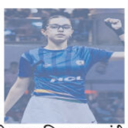

प्रधानमंत्री ने अनाहत सिंह की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उनकी यह जीत पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि अनाहत की मेहनत, समर्पण और प्रतिभा देशभर के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि वह भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करती रहेंगी। वहीं, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने पोस्ट में लिखा कि भारत की बेटी अनाहत सिंह ने अपने अद्भुत कौशल, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से इतिहास रच दिया है।

उन्होंने कहा कि विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप-२०२६ के फाइनल में ३-० की शानदार जीत के साथ जूनियर विश्व खिताब जीतने वाली वह भारत की पहली स्क्वैश खिलाड़ी बनी हैं। मुख्यमंत्री ने उन्हें इस स्वर्णिम उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

घायल छात्रों से मुलाकात के बाद तेजस्वी का सरकार को अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी): बिहार बंदी के दिन जारी छात्र आंदोलन के समय पुलिस ने सैकड़ों छात्रों, विपक्षी विधायकों और नेताओं को हिरासत में लिया है। पुलिसिया कार्रवाई में आंदोलनरत कई छात्र घायल हो गए, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। रविवार को बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अस्पताल पहुंचकर सभी घायल छात्रों का कुशलक्षेम जाना। इसके साथ ही सरकार से दोषी पुलिसकर्मियों पर तुरंत सख्त कार्रवाई करने की मांग की। तेजस्वी ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का मौलिक अधिकार है, जो नागरिकों को अपनी असहमति और विचार व्यक्त कर निरंकुश सत्ता को जवाबदेह बनाता है।

तेजस्वी ने सीएम सम्राट को चेतावनी देते हुए कहा कि पुलिसिया कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिये गए सैकड़ों छात्रों, विपक्षी विधायकों और नेताओं की कल तक रिहाई नहीं होती है तो विपक्ष राज्य में बड़ा आंदोलन करेगा।

तेजस्वी ने मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम सम्राट पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार, जो लोकतंत्र की जननी रहा है, वहां एक गैर-जनाधार वाले व्यक्ति को मुख्यमंत्री बना दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नाम और काम पर राज्य की जनता ने कभी वोट नहीं दिया और न कभी देगी।

तेजस्वी ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि लाठी, बंदूक और प्रशासनिक तंत्र के बल पर बिहारियों और युवाओं की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

उन्होंने प्रशासन को स्पष्ट अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर हिरासत में लिए गए छात्र आंदोलनकारियों को यथाशीघ्र रिहा नहीं किया गया, तो छात्र और युवा एक बार फिर उग्र आंदोलन के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। उन्होंने साफ किया कि अधिकार मांगने वाले छात्रों पर पुलिसिया बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अन्याय के खिलाफ लड़ाई मजबूती से जारी रहेगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच होगी नए सिरे से

अयोध्या(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी और गबन की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का पुनर्गठन किया है। नई एसआईटी में तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। नई एसआईटी का नेतृत्व आईजी किरण एस। करेंगी। उनके साथ अयोध्या के डीआईजी सोमेन वर्मा और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर को सदस्य बनाया गया है। इससे पहले गठित एसआईटी में लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत और स्पेशल सेक्रेटरी (वित्त) नील रतन कुमार समेत अन्य अधिकारी शामिल थे।

एसआईटी का पुनर्गठन सुप्रीम कोर्ट के १३ जुलाई के आदेश के बाद किया गया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह आदेश दिया था। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी। मोहन भी शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को २७ जुलाई को मामले की जांच से जुड़ी स्थिति रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने एसआईटी का पुनर्गठन किया। सूत्रों के मुताबिक नई टीम ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

यह मामला श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन से संबंधित है। इस मामले में जांच कर रही पिछली एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज, दान रजिस्टर, कैश संभालने की प्रक्रियाओं और वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच की। इस दौरान एसआईटी ने ने मंदिर के कई कर्मचारियों से पूछताछ की और एक प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी जिसमें मंदिर के चढ़ावे की गिनती और जमा करने में गड़बड़ियों की ओर इशारा किया गया था।

जांच के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया और गबन किए गए धन से कथित तौर पर खरीदी गई नकदी, वाहन, निवेश संबंधी दस्तावेज और अन्य संपत्तियां बरामद कीं। कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया, साथ ही डिजिटल साक्ष्य और वित्तीय लेनदेन की भी गहन जांच की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि चोरी से संबंधित मामलों की आपराधिक जांच और तकनीकी जांच अनुभवी पुलिस अधिकारियों द्वारा ज्यादा बेहतर ढंग से की जाती है, जिसके बाद वरिष्ठ आईपीएस नेतृत्व के तहत एसआईटी का पुनर्गठन किया गया। अब नई एसआईटी टीम मामले की जांच करेगी और २७ जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी स्थिति रिपोर्ट पेश करेगी।

कांवड़ यात्रा: डीएम ने 28 जुलाई तक तैयारी पूरी करने का दिया अल्टीमेटम, लापरवाही

गाजियाबाद (ईएमएस) : जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि २८ जुलाई तक सभी संबंधित विभाग अपने-अपने कार्य हर हाल में पूरे कर लें, क्योंकि कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेरठ तिराहा स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने के बाद जिलाधिकारी ने कादराबाद, मुरादनगर गंगनहर व पाइपलाइन मार्ग का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कुछ विद्युत पोल पर कवरिंग का कार्य अधूरा पाए जाने पर उन्होंने विद्युत विभाग को तत्काल इसे पूरा करने का निर्देश दिया।

साथ ही, वन विभाग के अधिकारियों को कांवड़ मार्ग के किनारे उगी झाड़ियों और अन्य अवरोधों को हटाने के निर्देश दिए। डीएम ने जिला पंचायती राज विभाग, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग के अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि सभी विभाग २८ जुलाई तक अपने से संबंधित कार्य अवश्य पूरा कर लें, ताकि यात्रा व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिले में कुल आठ कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। जिला प्रशासन ने इन कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं, जिनके माध्यम से श्रद्धालु सहित अन्य लोग किसी भी सहायता या सूचना के लिए संपर्क कर सकेंगे।

क्या छात्रों और युवाओं को समर्थन देना अपराध है : रोहिणी आचार्या

पटना (एजेंसी): जेजेडी के सुप्रीमो तेज प्रताप की गिरफ्तारी पर रोहिणी आचार्या ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस कार्रवाई को सीधे तौर पर 'सम्राट सरकार की तानाशाही' करार दिया। कहा कि पुलिस द्वारा तथ्यहीन और झूठे आरोपों के आधार पर की गई यह गिरफ्तारी लोकतांत्रिक अधिकारों का सरेआम हनन है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री सम्राट खुद सात लोगों की हत्या करके बैठे हैं। छात्रों के हित में आवाज उठाने वाले बेगुनाहों की गिरफ्तारी कर आवाज दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहिणी ने इस पूरी कार्रवाई को सरकार के खिलाफ बढ़ रहे जन-असंतोष को दबाने और जन-आंदोलनों को कमजोर करने की एक दमनकारी साजिश का हिस्सा बताया। रोहिणी ने सम्राट सरकार से सवाल पूछते हुए लिखा कि क्या राज्य की चरमराती शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की मांग कर रहे छात्रों और युवाओं के आंदोलन का समर्थन करना कोई अपराध है? उन्होंने कहा कि युवाओं और जनता की समस्याओं के लिए आवाज उठाना हर भारतीय नागरिक का मौलिक अधिकार और दायित्व है। सरकार राजनीतिक बदले की भावना से काम कर रही है और अपने विरोधियों को डराने के लिए प्रशासन और पुलिस बल का खुल्लम-खुल्ला दुरुपयोग कर रही है। रोहिणी ने राज्य की मौजूदा व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह कैसा न्याय और चलन है जहां गंभीर आरोपों से घिरे लोग सत्ता की कुर्सी पर बैठ जाते हैं, जबकि युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए संघर्ष करने वाले बेगुनाह लोगों को झूठे मामलों में फंसाकर जेल भेज दिया जाता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए बेहद शर्मनाक स्थिति बताया।

भाजपा नेता बचौल को मिली जान से मारने की धमकी

पटना (एजेंसी): बिहार बीजेपी के पूर्व विधायक और प्रदेश उपाध्यक्ष हरिभूषण ठाकुर बचौल को फोन कॉल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है। मामले को लेकर उन्होंने पटना के पाटलिपुत्र थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पूर्व विधायक के मुताबिक, बीती रात उन्हें दो अलग-अलग नंबरों से कॉल आया। उन्होंने बताया कि कॉल करने वाले ने पहले गाली-गलौज की और फिर जान से मारने की धमकी दी। हरिभूषण ठाकुर बचौल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शनिवार रात अपने आवास पर थे, तभी करीब ८:४६ बजे उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल रिसीव करने के बाद उन्हें अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए धमकी दी गई।

उन्होंने बताया कि संबंधित नंबर से कई बार मिस्ड कॉल भी आई थी। कॉलर आइडेंटिफिकेशन ऐप पर एक नंबर मोहम्मद इनामुल के नाम से दिख रहा था, जिसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को दी है।

शिकायत के आधार पर पाटलिपुत्र थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कॉल डिटेल्स और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है। हरिभूषण ठाकुर बचौल मधुबनी की बिस्फी विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं।

सड़कें नहीं सुधरीं तो अधिकारियों पर होगी एफआईआर : योगी

आगरा (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा दौरे के पहले दिन विकास कार्यों और जनसुविधाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत में लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि अगर सड़कें ठीक नहीं हुईं तो ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाएगा और संबंधित अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को भी फटकार लगाई। योगी ने अधिकारियों को संवेदनशील रहने की हिदायत देते हुए फुटपाथ दुकानदारों को उजाड़ने के बजाय उचित वेंडिंग जोन में स्थान देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान कार्ड और सूचीबद्ध अस्पतालों के भुगतानों का सत्यापन कर जल्द निस्तारण का आदेश दिया। बेसिक शिक्षा विभाग को डीबीटी से भेजे गए धन के सही उपयोग हेतु अभिभावकों के साथ बैठकें करने को भी निर्देशित किया।

आरा में जमीन को लेकर फायरिंग, युवती के सिर को छूकर निकली गोली; अस्पताल में भर्ती

आरा/बिहार : आरा में आज सुबह दो पक्षों के बीच दो बीघा जमीन के लिए विवाद शुरू हुआ। इस दौरान एक किशोरी गोली लगने से घायल हो गई। गोली किशोरी के सिर को छूते हुए निकल गई। घायल शीला कुमारी को परिजनों ने तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। मामला जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के हल्दिया टोला गांव का है।

घायल किशोरी के पिता सुरेंद्र यादव ने बताया कि उनका पट्टीदार राजकुमार और राहुल कुमार के साथ करीब दो बीघा जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आज फिर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर बंदूक से फायरिंग कर दी। इसी क्रम में धान रोपनी करने जा रही शीला के सिर को छूते हुए गोली पार कर गई, जिससे शीला घायल हो गई।

आनन-फानन में परिजन उसे अस्पताल ले गये, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही गजराजगंज ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। ओपी प्रभारी चंचल कुमार महथा ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर मारपीट और फायरिंग की सूचना मिली है। पुलिस घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस नजर बनाए हुए है।

गो-तस्करों से पुलिस की मुठभेड़, एक तस्कर के पैर में लगी गोली, दूसरा गिरफ्तार

बलिया,(ईएमएस) : बांसडीहरोड क्षेत्र में शनिवार देर रात पुलिस और गो-तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में एक तस्कर के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घायल के कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक खोखा व एक जिंदा कारतूस और दूसरे के पास से एक अवैध चाकू बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक रात करीब २:३५ बजे बांसडीहरोड तिराहे पर वाहन चेकिंग में मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति एक गौवंश को चोरी-छिपे छाता गांव की ओर से बांसडीहरोड की तरफ ले जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस वहां पहुंची और दोनों को रोकने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि इस दौरान एक तस्कर ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में कयामुद्दीन उर्फ राजू (२८) बलिया के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल को अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं दूसरा तस्कर दीपक (४०), रसड़ा के पास से एक अवैध चाकू बरामद किया। पुलिस का दावा है कि दोनों गोवंशीय पशु को वध के उद्देश्य से ले जा रहे थे। मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

कुछ मिनटों में खत्म हो गई दो जिंदगियां

नोएडा,(ईएमएस): ग्रेटर नोएडा की एक पॉश हाउसिंग सोसायटी में देर रात एक कर्मचारी एसटीपी टैंक की सफाई करने के लिए अंदर उतरा। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो उसे बचाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड भी टैंक में उतर गया, लेकिन वह भी वापस नहीं लौटा। जब तक पुलिस और फायर सर्विस की टीम वहां पहुंची, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-१५० स्थित एल्डिको सोसायटी की है। पुलिस के मुताबिक शनिवार-रविवार की दरमियानी रात सोसायटी में एसटीपी टैंक की सफाई का काम चल रहा था। करीब ४० साल के शशिकांत शर्मा टैंक के अंदर सफाई के लिए उतरे। वे राजस्थान के करौली जिले के रहने वाले थे। कुछ समय बीत गया, लेकिन वह बाहर नहीं आए।

महिला ने जवान को पीटा, केस दर्ज

बहराइच (ईएमएस): शहर में ड्यूटी पर तैनात एक पीआरडी जवान से अभद्रता और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। शहर के व्यस्तम पीपल तिराहे पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे जवान को एक महिला ने नो-एंट्री मार्ग से जाने से रोकने पर पहले गालियां दीं और फिर उन पर हाथ छोड़ दिया। इस घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों में भारी आक्रोश है और उन्होंने आरोपी महिला के खिलाफ नगर कोतवाली में तहरीर दी है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ओवैसी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को बताया न्याय की जीत

मुरादाबाद (ईएमएस): ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को न्याय और संविधान की जीत बताया है। उन्होंने शनिवार को मुरादाबाद में एक जनसभा से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह उन तमाम युवाओं के संघर्ष की बड़ी कामयाबी है, जो न्याय के लिए आवाज उठा रहे थे। ओवैसी ने इसे हक की झूठ पर विजय करार दिया, यह कहते हुए कि यह नौजवानों की कुर्बानी और मेहनत की जीत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को साफ संदेश दिया कि अब तानाशाही नहीं चलेगी और लोकतंत्र चलाने के लिए संविधान के दायरे में रहना होगा। मुरादाबाद की जामा मस्जिद पार्क में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दोहराया कि देश संविधान से चलेगा। बारिश के कारण बिजली गुल होने और प्रशासन द्वारा लाइट की अनुमति न मिलने के बावजूद, बड़ी संख्या में लोग मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर अंधेरे में डटे रहे।

झारखंड में 2.51 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन पूरा, 7.10 लाख मृत मतदाता सूची से होंगे बाहर

रांची (एजेंसी): झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, राज्य के २,६४,६३,२३६ मतदाताओं में से २,५१,३०,६५१ (९४.९६%) मतदाताओं के इन्यूमरेशन प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है।

निर्वाचन विभाग के मुताबिक २,६४,३६,३१० (९९.९०%) मतदाताओं तक इन्यूमरेशन प्रपत्र पहुंचाए जा चुके हैं। इनमें से २,१५,९१,८८९ मतदाताओं ने प्रपत्र भरकर हस्ताक्षर के साथ जमा कर दिए हैं। इन मतदाताओं के नाम ५ अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे।

7.10 लाख मृत, 10.43 लाख मतदाता नहीं मिले

एसआईआर अभियान के दौरान अब तक ३५,३८,७६२ प्रपत्र वापस प्राप्त नहीं हुए हैं। इनमें ७,१०,०९० मतदाता मृत पाए गए, जबकि १०,४३,४४१ मतदाताओं का पता नहीं चल सका या वे अनुपस्थित मिले। इसके अलावा १३,८२,१०१ मतदाता स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो चुके हैं। वहीं ३,६८,४२५ मतदाताओं के नाम पहले से अन्य निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में दर्ज मिले और ३४,७०५ मतदाताओं ने इन्यूमरेशन प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।

निर्वाचन विभाग के अनुसार, शेष प्रपत्रों का सत्यापन और डिजिटाइजेशन तेजी से जारी है। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि केवल पात्र मतदाताओं के नाम ही अंतिम सूची में शामिल हों। ५ अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर भी दिया जाएगा।

झारखंड में 20 से अधिक नक्सलियों का आत्मसमर्पण पुलिस कल करेगी आधिकारिक प्रस्तुति

रांची (एजेंसी): झारखंड में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, भाकपा (माओवादी) से जुड़े २० से अधिक नक्सलियों ने रविवार को ही सुरक्षा एजेंसियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। हालांकि, झारखंड पुलिस इन सभी नक्सलियों को २८ जुलाई को रांची स्थित पुलिस मुख्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक तौर पर मीडिया के सामने पेश करेगी।

15 लाख का इनामी जोनल कमांडर भी शामिल

सूत्रों के मुताबिक, आत्मसमर्पण करने वालों में १५ लाख रुपये का इनामी जोनल कमांडर भी शामिल है। इसके अलावा ५ लाख से १० लाख रुपये तक के इनामी कई अन्य नक्सलियों ने भी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में एक रीजनल कमांडर और एक सब-जोनल कमांडर स्तर का नक्सली भी शामिल बताया जा रहा है।

आज हुआ आत्मसमर्पण, 28 जुलाई को होगी आधिकारिक घोषणा

सूत्रों के अनुसार, सभी नक्सलियों ने अपने हथियारों के साथ सुरक्षा एजेंसियों के समक्ष आज आत्मसमर्पण कर दिया है। फिलहाल उन्हें सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक नहीं किया गया है। झारखंड पुलिस २८ जुलाई को पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इन नक्सलियों को आधिकारिक रूप से प्रस्तुत करेगी और आत्मसमर्पण से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा करेगी।

नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी सफलता

यदि आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि होती है, तो यह झारखंड पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के लिए नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में लगातार चल रहे अभियान और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण कई इनामी नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं।

दीपक प्रकाश की अभिजीत दीपके को चुनौती, बोले- झारखंड आकर मांगें इस्तीफा

रांची (एजेंसी): वरीय भाजपा नेता दीपक प्रकाश ने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को झारखंड आकर यहां जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ी के खिलाफ छात्रों के समर्थन में आंदोलन करने की चुनौती दी है। साथ ही उन्होंने १४वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतों पर कांग्रेस पार्टी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाया है। दीपक प्रकाश ने कहा कि यदि अभिजीत दीपके झारखंडी छात्रों के हित में नहीं बोलते हैं तो ऐसा समझा जाएगा कि वह किसी खास राजनीतिक पार्टी के इशारे पर आंदोलन में आए और कुछ खास लोगों को उसमें जोड़ा।

दीपक प्रकाश ने कहा कि जेपीएससी परीक्षा में हुई गड़बड़ी अब जगजाहिर है। चेयरमैन का इस्तीफा हो चुका है। परीक्षा एजेंसी टीडीपीएल के वरीय अधिकारी के घर से नकदी का भंडार मिला है जो नौकरी का झांसा देकर नौजवानों से वसूला गया था। साफ है कि भर्ती घोटाला हुआ है, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी मौन क्यों है? दीपक प्रकाश ने कांग्रेस पार्टी को नैतिकता के आधार पर सरकार से अलग हो जाने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस पार्टी ऐसा नहीं करती है तो समझा जाएगा कि सियासी रोटी सेंकने के मकसद से आंदोलन किया गया था।

कॉकरोच जनता पार्टी को सियार की संज्ञा देते हुए दीपक प्रकाश ने कहा कि दिल्ली में खास सियासी विचारधारा के इशारे पर शोर मचाया गया।

कारगिल विजय दिवस पर एबीवीपी ने शहीद चौक पर जलाया 'एक दिया शहीदों के नाम'

रांची (एजेंसी): अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) रांची महानगर के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को शहीद चौक, रांची में एक दिया शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति एवं देशसेवा की भावना को जागृत करना था। इस अवसर पर परिषद् के कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने शहीदों की स्मृति में दीप प्रज्वलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत माता के जयघोष और वीर जवानों के सम्मान में देशभक्ति के नारे लगाए। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद् के वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। देश के वीर जवानों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज का युवा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शुभम पुरोहित, महानगर मंत्री तुषार दूबे, प्रदेश सोशल मीडिया सह संयोजक कुमकुम गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तुषार शर्मा, महानगर संगठन मंत्री उज्ज्वल तिवारी, प्रियांशु तिवारी, अंकित राज, हर्षित पांडे, हर्ष यादव, श्वेता कुमारी, नीतीश यादव, दिव्यांशु कुमार, मिथिलेश गुप्ता,आकाश कुमार , रोहित शर्मा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

झारखंड राज्य तैराकी प्रतियोगिता में ईशांक सिंह बने स्टेट चैंपियन, स्वर्ण और रजत पदक जीतकर बढ़ाया मान

रांची (एजेंसी): झारखंड राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में राजधानी रांची के युवा तैराक ईशांक सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। बेहतरीन प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने ग्रुप-५ (बालक, ७ से १० वर्ष आयु वर्ग) में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर राज्य स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई। इस प्रतियोगिता की ५० मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में ईशांक सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और स्टेट चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

निरंतर मेहनत का परिणाम

वहीं ५० मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में ईशांक ने रजत पदक जीतकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। युवा तैराक ईशांक सिंह की इस उपलब्धि से उनके परिवार, प्रशिक्षकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। यह सफलता नियमित अभ्यास, अनुशासित प्रशिक्षण और निरंतर मेहनत का परिणाम है। इस अवसर पर ईशांक सिंह को उनकी शानदार उपलब्धि पर लोगों ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई कि वह आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे।

पुलिस की वर्दी पहन साइबर अपराधियों के घर पहुंचता फिर दिनदहाड़े लूटकर हो जाता था चंपत; उप-मुखिया समेत 10 गिरफ्तार

देवघर (एजेंसी): पुलिस की वर्दी पहनकर साईबर ठगी के धंधे में लिप्त लोगों के घर पहुंचता, जांच व पूछताछ के नाम पर अंदर प्रवेश कर उन्हें लूटता और धमकी देकर चलता बनता। साइबर अपराधी इसकी शिकायत भी पुलिस से नहीं कर पाते थे। ऐसे ही गिरोह का भंडाफोड़ देवघर पुलिस ने किया है। पुलिस ने उप मुखिया समेत १० शातिर अपराधियों को दबोच लिया है।

खाकी वर्दी का खौफ दिखाकर लोगों को लूटने वाले एक खतरनाक गैंग का देवघर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। जसीडीह पुलिस ने छापेमारी कर गिरोह के १० अपराधियों को दबोच लिया। इनमें एक हुसैनाबाद पंचायत का उप-मुखिया भी शामिल है। पुलिस ने सभी अपराधियों को जेल भेज दिया है।

यह गिरोह बेहद ही शातिर अंदाज में वारदातों को अंजाम देता था। अपराधी पुलिस जैसी कैमोफ्लैज वर्दी पहनकर लोगों के घरों के बाहर पहुंचते और खुद को 'साइबर क्राइम सेल' का अफसर बताते। दरवाजा खुलते ही ये हथियार के बल पर पूरे परिवार को बंधक बना लेते और घर का सारा कीमती सामान व कैश समेट कर चंपत हो जाते।

दिलचस्प बात यह है कि ये गैंग ज्यादातर उन्हीं लोगों के घरों को निशाना बनाता था, जो सचमुच साइबर ठगी के धंधे में शामिल थे। डर के मारे पीड़ित पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने भी नहीं जाते थे, जिसका फायदा उठाकर यह गैंग बेखौफ होकर वारदातें कर रहा था।

हथियार, वर्दी और बाइक बरामद

पुलिस को अपराधियों के पास से भारी मात्रा में सामान मिला है, जिसमें एक कट्टा, चार जिंदा गोलियां, पिस्टल की मैगजीन, पांच पुलिस स्टाइल टी-शर्ट, पांच पैंट, पांच टोपियां, प्लास्टिक के डंडे और दो बाइकें शामिल हैं। जांच में पता चला है कि इस गैंग ने देवघर के जसीडीह, मधुपुर, सारठ, देवीपुर और सोनारायठाढ़ी समेत दुमका जिले के कई इलाकों में दहशत फैला रखी थी।

अड्डा बनाकर रचते थे साजिश

यह गिरोह जसीडीह इलाके की एक सुनसान अधबनी इमारत में बैठकर लूटपाट की योजना बनाता था। हाल ही में २५ जुलाई को इनके खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद पुलिस अलर्ट मोड़ पर आई। जसीडीह, देवीपुर, मोहनपुर और चितरा थाना प्रभारियों की एक स्पेशल टीम ने जाल बिछाकर पूरी टोली को एक साथ धर दबोचा। पकड़े गए ज्यादातर अपराधियों का पहले से क्राइम रिकार्ड रहा है।

पंचधाम मंदिर में मां काली के सोने-चांदी के आभूषण चोरी, प्रतिमा को पहुंचाया नुकसान

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा से सटे पश्चिम बंगाल के रूपनारायणपुर पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पंचधाम मंदिर में शनिवार देर रात बेखौफ चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने मां काली मंदिर से सोने-चांदी के बहुमूल्य आभूषण चोरी कर लिए। चोरी के दौरान मां काली की प्रतिमा को भी क्षति पहुंचाई गई, जिससे श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है और जल्द मामले के खुलासे का दावा कर रही है। मंदिर समिति और स्थानीय लोगों के अनुसार, चोरों ने देर रात मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़ने के साथ लोहे की जंजीर काटकर अंदर प्रवेश किया।

बासुकीनाथ धाम में पहली बार रोबोट करेगा शिवगंगा तालाब की सफाई, श्रद्धालुओं को मिलेगा स्वच्छ वातावरण

देवघर (एजेंसी): शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले के दौरान इस बार बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं को स्वच्छ और साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जाएगा। दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज के पांच छात्रों द्वारा विकसित एक स्वचालित जल सफाई रोबोट को बासुकीनाथ धाम स्थित शिवगंगा तालाब की सफाई के लिए तैनात किया जाएगा। यह पहली बार होगा, जब श्रावणी मेले के दौरान तालाब की सफाई के लिए रोबोट का उपयोग किया जाएगा। बता दें कि इस बार ३० जुलाई से श्रावणी मेला शुरु हो रहा है।

प्रशासन का मानना है कि इस पहल से शिवगंगा तालाब में तैरने वाले कचरे की नियमित सफाई होगी और श्रद्धालुओं को स्वच्छ जलाशय का लाभ मिलेगा।

अधिकारियों के अनुसार, इस स्वचालित रोबोट का नाम 'नेचर्स रिवाइवल बॉट - ऑटोनोमस वॉटर क्लीनिंग रोबोट' है। इसे विशेष रूप से जलाशयों की सतह पर तैरने वाले कचरे को हटाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। श्रावणी मेले के दौरान लाखों श्रद्धालु बासुकीनाथ धाम पहुंचते हैं। ऐसे में शिवगंगा तालाब की स्वच्छता बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने विकसित किया रोबोट

यह रोबोट दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज के बीटेक अंतिम वर्ष के पांच छात्रों ने विकसित किया है। कॉलेज के विद्युत अभियंत्रण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पंकज सरकार ने बताया कि रोबोट को इस तरह तैयार किया गया है कि वह तालाब की सतह पर तैर रहे कचरे को स्वतः एकत्र कर सके। रोबोट में मोटर से संचालित कन्वेयर बेल्ट प्रणाली लगाई गई है, जो कचरे को जालीदार डिब्बे में जमा करती है। इससे जलाशय की सतह पर फैले प्लास्टिक, पत्ते और अन्य तैरते अपशिष्ट को आसानी से हटाया जा सकता है।

सेंसर तकनीक से बाधाओं से बचेगा रोबोट

परियोजना टीम के सदस्य कौशल कुमार ने बताया कि रोबोट में तीन प्रकार की मोटरें और एक प्रकाश आधारित संवेदक लगाया गया है। यह संवेदक रोबोट को किसी ठोस वस्तु या रास्ते में आने वाली बाधा से टकराने से बचाने में मदद करता है। रोबोट को दूर से भी नियंत्रित किया जा सकता है। यह पूरी तरह बैटरी से संचालित होता है, जिससे इसके संचालन के दौरान प्रदूषण भी नहीं होता।

प्रति मिनट आठ वर्ग फुट क्षेत्र की कर सकेगा सफाई

तकनीकी जानकारी के अनुसार, यह रोबोट प्रति मिनट लगभग आठ वर्ग फुट क्षेत्र की सफाई करने में सक्षम है। यह लगभग एक किलोमीटर के दायरे में कार्य कर सकता है। इसके कचरा संग्रहण डिब्बे में तीन से चार क्विंटल तक कचरा एकत्र किया जा सकता है। डिब्बा भरने के बाद उसे मैन्युअल रूप से खाली किया जाएगा, जिसके बाद रोबोट फिर से सफाई कार्य शुरू कर देगा।

दुमका के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बताया कि श्रावणी मेले के दौरान शिवगंगा तालाब की स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से इस रोबोट को तैनात किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

परिसीमन, आदिवासी अधिकार और राजनीतिक उपेक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एकजुट होकर लड़ेंगे : बंधु तिर्की

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची के मोरहाबादी दीनदयाल नगर स्थित आवास पर ३० अगस्त को होने वाली आदिवासी एकता महाजुटान रैली और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिये आयोजित महत्वपूर्ण बैठक के बाद बंधु तिर्की ने कहा कि झारखण्ड में प्रस्तावित परिसीमन की प्रक्रिया तथा उसके आदिवासी समाज पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर आपसी एकता के साथ सचेत रहने की जरूरत है।

पूर्व मंत्री और झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि परिसीमन के पश्चात जनजातीय सीटों के घटने की आशंका, आदिवासी अधिकारों का अलग-अलग तरीके से हनन, आदिवासियों की राजनीतिक उपेक्षा आदि बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। अपने संवैधानिक अधिकारों के लिये हमें मिलकर लड़ना होगा। बैठक में आगामी ३० अगस्त २०२६ को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाली आदिवासी एकता महाजुटान रैली की तैयारियों एवं रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई।

2002-2008 की परिसीमन प्रक्रिया का उल्लेख

बैठक में कहा गया कि प्रस्तावित परिसीमन केवल निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन का विषय नहीं है, बल्कि यह झारखण्ड में आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संवैधानिक अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है। यदि समय रहते समाज संगठित नहीं हुआ तो भविष्य में अनुसूचित जनजातियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

बैठक में वर्ष २००२-२००८ की परिसीमन प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा गया कि उस समय झारखण्ड में अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित विधानसभा सीटों को २८ से घटाकर २२ करने का प्रस्ताव सामने आया था।

व्यापक जनआंदोलन और जनप्रतिनिधियों के विरोध के बाद संसद ने झारखण्ड की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उस प्रस्ताव को लागू नहीं होने दिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में भी आदिवासी समाज को पूरी एकजुटता के साथ अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिये आगे आना होगा।

योगदान आदिवासी समाज ने दिया

बैठक में यह भी कहा गया कि देश के विकास के लिए सर्वाधिक भूमि, जल, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों का योगदान आदिवासी समाज ने दिया है। खनन, बाँध, इस्पात संयंत्र, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा अन्य विकास परियोजनाओं के कारण लाखों आदिवासी विस्थापित हुए और आजीविका के लिये पलायन करने को विवश हुए।

ऐसे समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कमी, न्याय, समानता और सामाजिक न्याय की संवैधानिक भावना के अनुरूप नहीं है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि झारखण्ड में पाँचवीं अनुसूची क्षेत्रों की विशेष परिस्थितियों, ऐतिहासिक विस्थापन, छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी), संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी) तथा अन्य संवैधानिक संरक्षणों को परिसीमन प्रक्रिया में गंभीरता से ध्यान में रखा जाना चाहिये। केवल जनसंख्या को आधार बनाकर परिसीमन करना इन क्षेत्रों की वास्तविक सामाजिक एवं ऐतिहासिक परिस्थितियों के साथ न्याय नहीं होगा।

बैठक में अनेक सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों, छात्र-युवा संगठनों, महिला समूहों तथा झारखण्डवासियों से अपील की गयी कि वे ३० अगस्त २०२६ को प्रातः ११ बजे से रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित आदिवासी एकता महाजुटान रैली में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर आदिवासी समाज के संवैधानिक एवं राजनीतिक अधिकारों की रक्षा के लिये अपनी लोकतांत्रिक एकजुटता का परिचय दें। बैठक में बन्धु तिर्की के साथ ही दयामनी बारला, लक्ष्मी नारायण मुंडा, शशि पन्ना, वासवी कीड़ो, विनय उरांव, अनिल पन्ना, नीरज भोगता, आलोका कुजूर, शिवा कच्छप, प्रेम चन्द मुर्मू, अनिल उरांव, विकी धान, विजय सिंह भोगता, दिनेश सिंह, मुनेश्वर सिंह, विकाश उरांव, सेल्सटीन कुजूर, निश्चल सोय, रिंकू कच्छप एवं सभी जिलों से आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद थे।

हथेली से भी पता चलता है कैसा होगा जीवन

हर व्यक्ति के मन में अपना भविष्य जानने की इच्छा रहती है। हस्तरेखा शास्त्र एक ऐसा विज्ञान है जो व्यक्ति के भूत, भविष्य व वर्तमान की जानकारी देता है। हर व्यक्ति के हाथ की हथेली की बनावट व आकार अलग-अलग होता है। इसके साथ ही हाथ की रेखाएं भी अलग-अलग होती हैं। हस्तरेखा शास्त्र के जानकारों के अनुसार, व्यक्ति की हाथ की रेखाएं और हथेली के आकार को देखकर उसका भविष्य व स्वभाव का पता लगाया जा सकता है।

कठोर हथेली के जातक- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली कठोर होती है, उन्हें जीवन में ज्यादा मेहनत व संघर्षों का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोगों को दिन-रात एक करने के बाद ही भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। लेकिन ये लोग हमेशा अपनी ईमानदारी का परिचय देते हैं।

छोटी हथेली के जातक- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली छोटी होती है, ऐसे लोग दिल के साफ होते हैं। ऐसे लोग क्रिएटिव कार्यों में रूचि रखते हैं। ये चीजों को जानने की इच्छा रखते हैं। कहते हैं कि इन लोगों का जीवन सुखमय बीतता है।

बड़ी हथेली के जातक- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली का आकार बड़ा होता है, वे अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाते हैं। ये धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखते है। इन्हें जीवन में मनचाही सफलता प्राप्त होती है।

कोमल हथेली के लोग- हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेलियां कोमल होती हैं, वे भाग्यशाली माने गए हैं। इन लोगों को जीवन में अपार सफलता प्राप्त होती है। कहते हैं कि इन लोगों को धन संबंधी परेशानियों का कम सामना करना पड़ता है।

हथेली के ये चिह्न होते हैं भाग्यशाली

मछली का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि. हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में मछली का निशान है तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है. ऐसे व्यक्ति के भाग्य में समुद्र पार देशों की यात्रा होती है. साथ ही ऐसे लोगों के पास धन की भी कमी नहीं होती है और ये लोग सुखी जीवन व्यतीत करते हैं.

पालकी का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में पालकी का निशान है तो ऐसे लोग बहुत ही ज्यादा भाग्यशाली माने जाते हैं. हस्तरेखा के अनुसार, ऐसे लोगों के पास बहुत ही आलीशान जीवन जीते हैं. इनके पास भौतिक सुख सुविधाओं की कमी नहीं रहती है. ऐसे लोगों के पास अपार धन होता है. इनके पास खूब नौकर चाकर और गाड़ियां होती हैं.

स्वस्तिक का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में स्वास्तिक का निशान है तो इसका मतलब है कि वह व्यक्ति बहुत ही बहुत ही भाग्यशाली है. ऐसे लोग बहुत ही भाग्यशाली और काफी अच्छे शिक्षक होते हैं. ऐसे लोगों खूब मान सम्मान और प्रतिष्ठा कमाते हैं. ये लोग या तो मंत्री या फिर किसी उच्चे पद पर विराजमान होते हैं.

कलश का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में कलश का चिन्ह हो तो वह बहुत ही धार्मिक प्रवृति का व्यक्ति होता है. ऐसे लोग खूब पूजा पाठ करने वाले होते हैं. यानी की ऐसे लोगों का धर्म के क्षेत्र में खूब प्रभाव रहता है. ऐसे लोग काफी धार्मिक यात्राएं करते हैं और धर्म का प्रचार प्रसार करते हैं.

जहाज का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में जहाज का निशान होता है तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही भाग्यवान होता है. साथ ही इनके पास धन धान्य की भी कोई कमी नहीं रहती है. ऐसे लोगों का समुद्र पार देशों में काफी अच्छा व्यापार होता है.

सूर्य का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हाथ में सूर्य का निशान होना बहुत ही शुभ माना जाता है. ऐसे लोग बहुत तेजस्वी प्रकृति के होते हैं. इनके पास पैसे की कोई कमी भी नहीं रहती है. ये लोग जीवन में खूब मान सम्मान और पैसा कमाते हैं.

कमल का चिन्ह

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर कमल का चिन्ह मौजूद है तो यह बहुत शुभ माना जाता है. कमल भगवान विष्णु का चिन्ह माना गया है और हथेली पर यह निशान है तो विष्णु योग कहलाता है. ऐसे व्यक्ति पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है और भाग्य भी हमेशा इनका साथ देता है. कमल का निशान होने से व्यक्ति नेतृत्व और वाकपटुता में काफी माहिर होता है और इनको जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता.

त्रिशूल का निशान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि त्रिशूल का निशान हथेली पर होना बहुत भाग्यशाली माना जाता है. अगर यह निशान किसी रेखा या पर्वत के ऊपर मौजूद है तो उस व्यक्ति पर भगवान शिव की कृपा हमेशा बनी रहती है. त्रिशूल का निशान अगर मंगल पर्वत पर मौजूद है तो इससे यह शिव योग बनता है. ऐसे व्यक्ति को जीवन में कभी किसी अड़चन का सामना नहीं करना पड़ता और जीवन में हमेशा तरक्की मिलती है.

हथेली की ये रेखाएं बनाती है धनवान और भाग्यवान

कभी नहीं होती धन-धान्य की कमी: ज्योतिषाचार्य ने बताया कि अगर आपकी हथेली पर सूर्य पर्वत और गुरु पर्वत ऊंचा उठा हुआ है तो ऐसे व्यक्ति को धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती. समाज में इनकी प्रतिष्ठा बढ़ती रहती है और यह कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते. ऐसे व्यक्ति काफी दानवीर भी होते हैं, जो हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहते हैं. यह लोग करियर बनाने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं और नई-नई चीजों में अपना दिमाग लगाते रहते हैं, जिससे सफलता इनके कदम चूमती है.

भाग्य हमेशा देता है साथ: ज्योतिषाचार्य ने बताया कि अगर किसी व्यक्ति के मणिबंध से निकलती हुई रेखा सीधी और स्पष्ट हो और वह शनि पर्वत तक पहुंच रही हो तो ऐसा व्यक्ति काफी भाग्यशाली माना जाता है क्योंकि इस रेखा को भाग्य रेखा कहा जाता है. ऐसे व्यक्ति काफी धनवान होता है और जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है. वहीं अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर दो सूर्य रेखा बन रही हों तो ऐसे व्यक्ति को समाज में काफी सम्मान मिलता है और धन संपति से काफी समृद्ध रहता है.

होती है अचानक धन की प्राप्ति: ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हथेली के ऊपरी भाग में मणिबंध के पास जीवन रेखा से लगा हुआ मछली का चिन्ह मिलता है तो यह काफी शुभ माना जाता है. ऐसे व्यक्ति को अचानक धन की प्राप्ति होती है और उनको विदेशों से भी अच्छा लाभ मिलता है. इनके आसपास के लोग इनकी काफी इज्जत करते हैं और पैतृक संपति भी काफी मिलती है.

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल होता है फायदेमंद

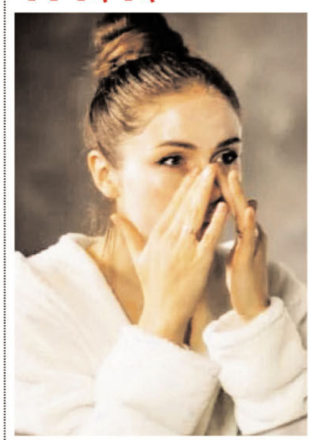

मेकअप हटाने के लिए प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल त्वचा की सेहत के लिए फायदेमंद है।अगर आप नियमित रूप से मेकअप करती हैं तो आपके लिए उसे ठीक तरह से उतारना भी बेहद जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि मेकअप ठीक से न उतारने की वजह से आप कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स की चपेट में आ सकती हैं। चेहरे से मेकअप उतारने के लिए बेहतर मेकअप रिमूवर ढूंढना आपके लिए किसी कठिन चुनौती से कम नहीं है। कई तरह के मेकअप रिमूवर काफी ऑयली होते हैं, तो कुछ ऐसे भी होते हैं जो चेहरे पर गहरे धब्बे छोड़ जाते हैं। ऐसे में आपको चाहिए कि मेकअप हटाने के लिए प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें। जिनकी त्वचा कुछ ज्यादा सेंसिटिव होती है उनके लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होती। आज हम आपको कुछ ऐसे ही नेचुरल मेकअप रिमूवर के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऑलिव ऑयल - थोड़ा सा ऑलिव ऑयल किसी सूती कपड़े पर लेकर उसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। यह आपके चेहरे की सारी गंदगी को दूर कर उसे पूरी तरह से साफ कर देगा।

खीरे का पेस्ट - खीरे की तासीर काफी ठंडी होती है, यह हम सभी जानते हैं। खीरे को कद्दूकस पर घिसकर उसका पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट में एक चम्मच बादाम का तेल मिलाकर पूरे चेहरे पर रगड़िए। कुछ देर बाद गर्म पानी से इसे धो लीजिए। यह आपके चेहरे को प्राकृतिक सुंदरता देगा।

एलोवेरा जेल - एलोवेरा त्वचा का काफी लोकप्रिय प्राकृतिक उपचार है। दो चम्मच एलोवेरा जेल को तीन चम्मच जैतून के तेल के साथ मिलाएं और सूती कपड़े की मदद से इसे पूरे चेहरे पर लगाएं। दो मिनट बाद इसे धोकर साफ कपड़े से पोछ लें।

दूध - अगर आपकी त्वचा थोड़ी सेंसिटिव है तो आपके लिए दूध का प्रयोग मेकअप रिमूवर के बतौर ज्यादा सही रहेगा। कॉटन बॉल को दूध में भिगोकर इससे अपने चेहरे को साफ करें। यह आपके चेहरे को पूरी तरह से साफ कर देगा।

दही - दही एक बेहतरीन मेकअप रिमूवर की तरह काम करता है। दही को अच्छी तरह से फेंटकर किसी कॉटन बॉल की सहायता से अपने चेहरे पर लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से रगड़ें। जब मेकअप पूरी तरह से उतर जाए तो चेहरे को पानी से अच्छी तरह से धो लें।

सुपर फूड्स से रहेंगी फिट

आजकल वजन घटाने सुपर फूड्स को बेहतर विकल्प माना जा रहा है। इस कारण यह पसंद किये जाने लगे हैं।

कई सुपर फूड्स ने धीरेधीरे किचन में जगह बना ली है। जाहिर सी बात है कि किचन के जरिए ये हमारे पेट में भी पहुंच रहे हैं। क्विनोआ के अलावा, चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, वॉटरमेलन सीड्स, चगा मशरूम, नट ऑयल, मका, ल्यूकूमा, हेम्प सीड्स आदि। हममें से कुछ लोग इन सुपर फूड्स से परिचित हैं तो कुछ को इनके बारे में कुछ भी पता नहीं। फ्लैक्स सीड्स दादी-नानी के जमाने के अलसी के बीज हैं, जिन्हें अपने यहां के कुछ राज्यों में तिसी भी कहा जाता है। कुछ आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं तो कुछ विटामिन और प्रोटीन के। इस आधे बीत चुके साल में इंटरनेट फ्रेंडली हो चुकी जनता अपने खानपान की आदतों को लेकर भी एडवेंचरस है।

चिया के बीज भी पॉपुलर सुपर फूड्स की श्रेणी में शामिल हैं। वैसे तो ये स्वाद रहित होते हैं लेकिन जब इन्हें सही ढंग से पकाया जाता है तो ये आसानी से पच जाते हैं। एनर्जी बूस्टिंग पाउडर के तौर पर ये कमाल के हैं। हालिया शोध तो चिया के बीजों को टाइप 2 डायबिटीज खत्म करने के लिए कारगर मानते हैं। चिया मेक्सिको से आते हैं, जिसका अर्थ ताकत से है। चिया को रनर्स फूड भी कहा जाता है क्योंकि लंबी दौड़ में चिया का इस्तेमाल ऊर्जा स्रोत के तौर पर किया जाता है। कहा जाता है कि केवल एक चम्मच चिया उन्हें 24 घंटे तक ऊर्जावान बनाए रखने में कारगर है। एंटीऑक्सिडेंट, एंटी सन्फलेमेट्री, एंटी कैंसर गुण होने के कारण चिया के सेवन का प्रचलन अपने देश में भी बढ़ता जा रहा है। यह एक कंम्प्लीट प्रोटीन भी है क्योंकि इसमें नौ जरूरी अमिनो एसिड हैं। स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए आवश्यक 20 फीसद सॉल्युबल फाइबर और 80 फीसद इनसॉल्युबल फाइबर भी इसमें हैं। यह ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखता है, क्रेविंग को कम करता है और लंबे समय तक आपके पेट को भरा महसूस कराता है।

क्विनोआ पोषण का दोगुना पंच देता है क्योंकि इसमें फाइबर और प्रोटीन दोनों पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। यह ग्लूटेन मुक्त होने के साथ कंप्लीट प्रोटीन भी है। यह मूलत: एक बीज है, जिसे अनाज के तौर पर खाया जाता है। क्विनोआ तीन तरह के होते हैं- सफेद, लाल और काला। इसे अमूमन ऑर्गेनिक तौर पर ही उगाया जाता है। इसमें फ्लेवेनॉयड्स होता है, जो एंटीऑक्सिडेंट की तरह काम करता है। अन्य अनाजों की तुलना में क्विनोआ में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। क्विनोआ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स करीब 53 है, जो काफी कम है। शोध यह भी बताते हैं कि क्विनोआ मेटाबोलिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में लाभदायक है। वजन कम करने की कोशिश में लगे लोगों के लिए क्विनोआ फायदेमंद है क्योंकि वजन कम करने के लिए हमें कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए।

अलसी के बीज सालों से हमारे आस-पास ही हैं और एग्जॉटिक नहीं है, इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि यह हमारे संतुलित आहार के लिए पर्याप्त नहीं। सच तो यह है कि अलसी के बीज कमाल के होते हैं! यह न केवल कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करता है बल्कि इसमें एंटीऑक्सिडेंट्स का बड़ा भाग होता है। इसे लिग्नैन्स कहा जाता है, जिसमें कैंसर से लडने के गुण मौजूद हैं। साथ ही यह हार्मोन्स को भी संतुलित करने में मददगार हैं। यह सॉल्युबल और इनसॉल्युबल फाइबर का बेहतरीन स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि यह रोजाना की ऊर्जा और वजन कम करने में लाभदायक हैं। अलसी के बीजों की खासियत यह है कि ये किसी भी डिश में आसानी से घुल-मिल जाते हैं। चाहें तो इन्हें ओटमील पर छिड़क लीजिए या ग्रैनोला में या दही पर या अपने स्मूदी में मिला लीजिए।

रोज नहीं खाएं अण्डे

अगर आप रोजाना अंडे खा रहे हैं तो इनको खाना छोड़ दीजिए। नए शोध में पता चला है कि जो रोज अंडे खाते हैं वह बीमार जल्द पड़ते हैं। अंडे का सेवन डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

क्या यह सच है कि अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. हू. एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्टॅमिना

एक अंडे में प्रोटीन

कैलोरीज - 78 एमजी
कोल- 78 एमजी
सोडियम - 62 एमजी
(इससे बीपी व हार्टबीट बढ़ सकती है)
फैट- 5.3 ग्राम
प्रोटीन- 6 ग्राम
फ्राइड किए जाने पर अंडे में कैलोरीज-100 और बढ़ जाती है।

नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन वीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं। जीव-जंतुओं से

प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।

कौन खा सकता है अंडे

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां,

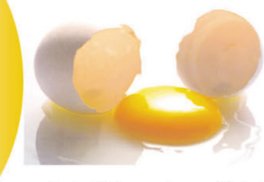

जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा केरोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते है कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बताये कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टारटर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएंगी।

सूखी व हरी दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा हैं। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यत: पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में

कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

मौसम करे बीमार रसोई करे उपचार

बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं। जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

संतुलित वजन यानी स्वनस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सइरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वहीं पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़ें इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कोर्नफ्लैक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती हैं। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बेड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाएं तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।

चंद्रमा से आया नया सबूत

50 वर्ष पुराना महाविनाश का सिद्धांत सवालों के घेरे में, उल्कापिंडों पर क्या पता लगा

वाशिंगटन, एजेंसी। चंद्रमा के शुरुआती इतिहास को लेकर वैज्ञानिकों की 50 वर्षों से चली आ रही अवधारणा अब नए सिरे से जांच के दायरे में आ गई है। चीन के चांग-ई-6 मिशन द्वारा पहली बार चंद्रमा के पृथ्वी से हमेशा छिपे रहने वाले दूरस्थ (फारसाइड) हिस्से से लाए गए चट्टानी नमूनों के अध्ययन में ऐसे प्रमाण मिले हैं।

इसने लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट सिद्धांत पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसके अनुसार, चंद्रमा पर उल्कापिंडों की टक्करें किसी छोटे और विनाशकारी दौर में नहीं, बल्कि अरबों वर्षों तक धीरे-धीरे होती रहीं। शोधकर्ताओं ने कहा, यदि आगे के शोध भी इसकी पुष्टि करते हैं, तो न केवल चंद्रमा के विकासक्रम बल्कि प्रारंभिक पृथ्वी व जीवन की उत्पत्ति से जुड़ी वैज्ञानिक समय-रेखा पर भी नए सिरे से विचार करना पड़ सकता है। शोधकर्ताओं ने प्रभाव के कारण पिघली 28 सूक्ष्म चट्टानी संरचनाओं का विश्लेषण किया। इनमें से कुछ नमूनों की आयु के संकेत 4.33 अरब वर्ष पुराने आंके गए, जबकि अन्य की आयु 1.13 अरब वर्ष तक की मिली। तीन नमूनों की आयु लगभग 4.16 अरब वर्ष निकली।

नए अध्ययन में नहीं मिला किसी महाविनाशकारी दौर का प्रमाण चांग-ई-6 के नमूनों में वैज्ञानिकों को लगभग 3.9 अरब वर्ष पहले की टक्करों का कोई बड़ा समूह नहीं मिला। यानी नए अध्ययन में महाविनाशकारी दौर का कोई खास प्रमाण नहीं मिला है।

जेलेंस्की ने रूस पर लगाए आरोप, कहा- यूएस के के खिलाफ तेहरान की कर रहा मदद

ईरानी जहाज पर यूक्रेन का हमला क्यों

तेहरान/कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अब ईरान और यूक्रेन के बीच भी तनाव बढ़ गया है। ईरान ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने कैस्पियन सागर में उसके एक वाणिज्यिक जहाज पर हमला किया है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस ईरान को अमेरिकी सैन्य ठिकानों और खाड़ी देशों से जुड़ी उपग्रह (सैटेलाइट) खुफिया जानकारी उपलब्ध करा रहा है।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कैस्पियन सागर में ईरानी जहाज पर हुए कथित हमले की निंदा करते हुए यूरोपीय संघ, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने होरमुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर भी चर्चा की और क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों पर जोर दिया।

ईरान ने शनिवार को तेहरान में यूक्रेन के प्रभारी राजनयिक (चार्ज डी'अफेयर्स) को तलब कर विरोध पत्र सौंपा। ईरान ने इस हमले को 'शत्रुतापूर्ण और आपराधिक कृत्य' बताया। विदेश मंत्रालय का कहना है कि हमले में जहाज में विस्फोट हुआ, जिसमें एक नाविक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। ईरान ने कहा कि उसने कभी भी रूस-यूक्रेन युद्ध में हस्तक्षेप नहीं किया और यह हमला क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ा सकता है। ईरान ने यह भी चेतावनी दी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा और यूक्रेन को इसके परिणामों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

जेलेंस्की का रूस पर बड़ा आरोप: दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि रूस जुलाई की शुरुआत से अमेरिकी सैन्य ठिकानों और खाड़ी देशों के महत्वपूर्ण ठिकानों की

सैटेलाइट तस्वीरें जुटाकर ईरान को उपलब्ध करा रहा है। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों ने पाया है कि रूस द्वारा जुटाई गई तस्वीरों और ईरान के हमलों के बीच स्पष्ट संबंध है। उनका दावा है कि 19 और 20 जुलाई को रूसी सैटेलाइट ने बहरीन, जॉर्डन और कुवैत के चार सैन्य एयरबेस की निगरानी की थी।

उत्तर कोरिया से 30 हजार सैनिक लेने की तैयारी

जेलेंस्की ने यह भी दावा किया कि रूस करीब 30,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को अपने यहां तैनात करने की तैयारी कर रहा है। उनके मुताबिक, रूस के वोरोनेझ क्षेत्र में जून से इनके स्वागत की तैयारी चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर कोरिया रूस को अतिरिक्त बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर भी देने की तैयारी में है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने आरोप लगाया कि रूस लगातार यूक्रेन के कृषि ढांचे और अनाज भंडारण केंद्रों को निशाना बना रहा है। उनका कहना है कि इससे वैश्विक खाद्य संकट और महंगाई बढ़ सकती है, खासकर उन देशों में जो यूक्रेन के अनाज पर निर्भर हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रूस और चीन को चेतावनी दी थी कि वे ईरान को हथियार या सैन्य सहायता न दें। ट्रंप ने दावा किया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया है कि दोनों देश फिलहाल ईरान को सैन्य सहायता नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। हालांकि, ईरान और यूक्रेन के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। दोनों देशों के आरोपों पर संबंधित पक्षों की ओर से विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

ईरान पर बड़े हमले की योजना से ट्रंप क्यों पीछे हटे, सलाहकारों ने किस बड़े खतरे से किया आगाह?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान में बड़ा बदलाव करते हुए शुक्रवार को अमेरिकी सेना को नए हवाई हमले नहीं करने का निर्देश दिया। इससे पहले लगातार 13 दिनों तक अमेरिका की ओर से रोज सैन्य कार्रवाई की जा रही थी। ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय आया, जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बातचीत के लिए ओमान का एक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा। ट्रंप ने साफ किया कि अमेरिका के पास सैन्य कार्रवाई की पूरी क्षमता है, लेकिन उनकी पहली कोशिश बातचीत के जरिए समाधान निकालने की है।

ट्रंप के इस फैसले ने पश्चिम एशिया की स्थिति को नया मोड़ दे दिया। बताया गया कि ओमान और ईरान के बीच बातचीत में प्रगति हुई है और सप्ताहांत तक किसी समझौते पर सहमति बन सकती है। अगर ऐसा होता है तो अंतिम फैसला ट्रंप को लेना होगा कि वह प्रस्तावित समझौते को स्वीकार करते हैं या नहीं। हालांकि अमेरिकी सेना ने संभावित बड़े सैन्य अभियान की तैयारियां पूरी तरह बंद नहीं की हैं। सेना को कम समय में दोबारा कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

पिछले दो सप्ताह से हर दोपहर अमेरिकी सैन्य

अधिकारी ट्रंप के सामने हमलों की योजना पेश कर रहे थे और कुछ ही घंटों में उन पर कार्रवाई हो जाती थी। शुक्रवार को भी ऐसी ही योजना उनके सामने रखी गई, लेकिन इस बार ट्रंप ने मंजूरी देने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहे तो ईरान की हर सैन्य क्षमता को खत्म कर सकता है, लेकिन उनके अनुसार सबसे समझदारी भरी रणनीति समझौता करना है। ट्रंप ने कहा, 'हम अभी ईरानियों से बातचीत कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वे हर गुजरते दिन के साथ ज्यादा गंभीर हो रहे हैं। हम पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन बातचीत भी जारी है। ' शुक्रवार शाम व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के रात्रिभोज में ट्रंप ने कुछ नरम रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें नहीं लगता कि ईरान समझौते के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन अगर बातचीत की संभावना बनती है तो वह उसे सुनने के लिए तैयार हैं। इस बीच ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमनपुर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'ईरान में रात शांतिपूर्ण रही।' वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी पिछले 13 दिनों की तरह किसी नए सैन्य अभियान की घोषणा नहीं की। ट्रंप के अचानक फैसले से इस्राइल भी हैरान रह गया। इस्राइल की सुरक्षा कैबिनेट और इस्राइली रक्षा बल को उम्मीद थी कि शुक्रवार को अमेरिका एक और बड़े हवाई हमले की शुरुआत करेगा। इसी संभावना को देखते हुए इस्राइल ने संभावित जवाबी हमलों से निपटने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी थीं और पूरे दिन हाई अलर्ट बनाए रखा। बाद में शुक्रवार रात इस्राइली अधिकारियों को औपचारिक रूप से बताया गया कि ट्रंप ने नए हमलों को मंजूरी नहीं दी है। इसके बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव बना हुआ है।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बड़े स्तर पर सैन्य अभियान की योजना भी फिलहाल रोक दी है। इसकी एक बड़ी वजह अमेरिकी रक्षा अधिकारियों की चेतावनी बताई गई। अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में तैनात पैट्रियट एयर डिफेंस इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार तेजी से कम हो रहा है। महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। सैन्य अधिकारियों ने यह भी बताया कि जॉर्डन में एक बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए गिरी थी, जिसमें तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी।

एक की मौत और 17 घायल; क्या है मामला

बर्लिन के सीएसडी प्राइड इवेंट के दौरान संदिग्ध हमला

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में वाहन चालक के संदिग्ध हमले में एक शख्स की मौत हो गई जबकि 17

अन्य घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ऐसे में हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात (स्थानीय समय) बर्लिन के टियरगार्टन पार्क में सालाना 'क्रिस्टोफर स्ट्रीट डे प्राइड' इवेंट आयोजित किया गया था। इसी दौरान एक वाहन चालक ने भीड़ में अपनी गाड़ी घुसा दी। इस संदिग्ध हमले में एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, 17 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। डॉयचे वेले की रिपोर्ट के मुताबिक अनुसार, घटनास्थल पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त सफेद गाड़ी को लावारिस हालत में बरामद किया गया। जर्मन अधिकारियों ने ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। बर्लिन पुलिस के प्रवक्ता फ्लोरियन नाथ ने एक्स हैंडल पर जारी बयान में कहा, हमें लगता है कि वाहन चालक ने टियरगार्टन पार्क में गाड़ी घुसाने के बाद कई लोगों को टक्कर मारी। ड्राइवर की तलाश के लिए जर्मन इमरजेंसी क्रू और कानून प्रवर्तन अधिकारी बड़ी संख्या में तैनात किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, 'हम संभावित संदिग्धों की गहन तलाशी ले रहे हैं। घायलों में से कई लोगों को जानलेवा चोटें आई हैं। पीड़ितों के रिश्तेदारों की मदद के लिए सूचना केंद्र बनाया गया है।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे बर्लिन के मेयर काई वेग्नर ने हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे शहर के मूल्यों पर सीधा हमला बताया। वेग्नर ने एक्स हैंडल पर जारी बयान में कहा, यह हमारे स्वतंत्र और खुले समाज पर हमला है। शांतिपूर्ण छस्ड्ड के बाद, सहिष्णु और शांतिपूर्ण बर्लिन का आह्वान करने के लिए जुटे लोगों पर बेहद क्रूर तरीके से हमला किया गया। बर्लिन आजादी का शहर है। ये घटना इस आजादी पर बहुत भयानक तरीके से किया गया हमला है। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों, उनके परिवारों और दोस्तों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस हर संभावित एंगल से मामले की जांच कर रही है।

लाखों लोगों की भीड़ के बीच घुसा वाहन चालक: अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह दुखद घटना ऐसे समय में हुई जब बर्लिन में लाखों लोग समाज में सहिष्णुता और विविधता के समर्थन में जुटे थे। कार्यक्रम का समापन ब्रैंडेनबर्ग गेट के पास कॉन्सर्ट के साथ होना था। वारदात के बाद छस्ड्ड परेड को रात लगभग 10:15 बजे अचानक रोक दिया गया। आम तौर पर ये परेड बर्लिन के टियरगार्टन से ब्रैंडेनबर्ग गेट तक जाती है। छ्ड्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, एक लाइव बैंड का परफॉर्मेंस बीच में ही रुक गया, क्योंकि आयोजकों और पुलिस ने लोगों से इलाका खाली करने को कहा। अधिकारियों ने लोगों से घर जाने की अपील की। टियरगार्टन पार्क से गुजरने वाले रास्तों पर जाने से बचने को भी कहा गया क्योंकि इस इलाके में पुलिस का इमरजेंसी ऑपरेशन जारी है।

सक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में सेना का बढ़ा दबदबाः क्या शहबाज से छिनी सबसे बड़ी ताकत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अपने रक्षा ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए परमाणु हथियारों और रणनीतिक मिसाइल प्रणाली की ऑपरेशनल कमान सेना को सौंप दी है। नए कानून के तहत नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड (एनएससी) का गठन किया गया है, जिसकी कमान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पास होगी। 27वें संविधान संशोधन के बाद एनएससी का गठन किया गया है, जिसके तहत परमाणु हथियारों और अन्य महत्वपूर्ण रणनीतिक संसाधनों का संचालन अब सीधे केंद्रीय सैन्य कमान के अधीन होगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल आमिर रजा को फोर-स्टार जनरल के रूप में पदोन्नत कर इस नई कमान का पहला कमांडर नियुक्त किया है। नया ढांचा काफी हद तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के मॉडल पर तैयार किया गया पहले पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के अधीन था, जिसके अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री होते थे। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल या उनकी तैनाती का अंतिम फैसला प्रधानमंत्री करते थे। अब नए सैन्य पुनर्गठन के तहत गठित एनएससी ने वास्तविक कमान संभाल ली है। प्रधानमंत्री की भूमिका अब केवल सूचना प्राप्त करने तक सीमित रह गई है। निर्णय लेने की मुख्य शक्ति अब चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पास है।

चीन को पहले ही बताया जा चुका है सुरक्षा चुनौती

बीजिंग, एजेंसी। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा और बेल्जियम दोनों शामिल हैं। वर्ष 2021 में नाटो ने अपनी रणनीतिक समीक्षा में चीन को रूस और मध्य-पूर्व से जुड़े खतरों के साथ एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती बताया था। जिस सैन्य मुख्यालय में यह मामला सामने आया, उसे सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पावर्स यूरोप कहा जाता है। वहीं, संगठन का राजनीतिक मुख्यालय ब्रुसेल्स में है, जहां सदस्य देशों के राजदूत रक्षा खर्च, ड्रोन घुसपैठ, साइबर सुरक्षा और अन्य रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं। ऐसे संवेदनशील सैन्य केंद्र में कथित जासूसी का मामला सामने आने से नाटो की आंतरिक सुरक्षा, खुफिया निगरानी और सदस्य देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को लेकर बहस तेज होने की संभावना है।

कैस्पियन सागर में जहाज पर यूक्रेन के हमले से बौखलाया ईरान, जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका पर ईरान ने गंभीर आरोप लगाए हैं। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को (स्थानीय समय) कहा, अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में अनाधिकृत वैकल्पिक मार्ग स्थापित करके जून में हुए 'इस्लामाबाद समझौते' का जानबूझकर उल्लंघन कर रहा है। वाणिज्यिक जहाजों को तेहरान के निर्धारित गलियारों से दूर मोड़कर समझौते के अनुच्छेद 5 का स्पष्ट उल्लंघन किया गया। ये वाशिंगटन की साधारण गलतफहमी से कहीं अधिक थी। ऐसा लगता है कि उन्होंने ईरान द्वारा निर्धारित जलमार्ग से इतर अन्य रास्ते को तैयार करने पर जोर दिया ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिकी सेना ने सक्रिय रूप से जहाजों को दूसरी दिशा में वैकल्पिक मार्ग पर जाने का निर्देश दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की योजनाओं को फिलहाल स्थगित कर दिया है। पश्चिम एशिया में कार्रवाई के लिए पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग) के वायु रक्षा भंडारों में गंभीर कमी के कारण ये फैसला लिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने अमेरिकी रक्षा अधिकारियों की बढ़ती चेतावनियों के मद्देनजर व्यापक आक्रमण से बचने का विकल्प चुना है। न्यूयॉर्क

टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैट्रियट एंटीमिसाइल इंटरसेप्टर की आपूर्ति खतरनाक रूप से कम होने का खतरा है। ऐसा होने पर अमेरिकी सैनिकों, खाड़ी देशों में सहयोगियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर जवाबी हमले हो सकते हैं।

शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों और सैन्य कमांडरों के बीच निजी विचार-विमर्श में पैट्रियट इंटरसेप्टर और क्षेत्र में तैनात अन्य रक्षा प्रणालियों की घटती संख्या को लेकर चर्चा की गई। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा, जॉर्डन में ईरानी ड्रोन और मिसाइलों की बौछार के दौरान दुश्मन की एक बैलिस्टिक मिसाइल ने अमेरिकी रक्षा पंक्ति को भेद डाला। यहां तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद चिंताएं और बढ़ गईं। अमेरिकी ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने निजी तौर पर ट्रंप को हमले रोकने की सलाह दी है।

हालांकि डैन ने ये भी कहा है कि ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान चलाना संभव हैं, लेकिन इससे अमेरिकी सेंट्रल कमांड के सामने इंटरसेप्टर आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। इन बिंदुओं पर अमेरिकी प्रशासन के रुख के बारे में व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा से कहते रहे हैं कि वे राजनयिक समाधान को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में या सहयोगियों के खिलाफ हमले या आतंकी गतिविधियां जारी रखता है तो अमेरिका के सामने सभी विकल्प खुले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नए हवाई हमलों पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। यह निर्णय 13 दिनों से जारी सैन्य कार्रवाई के बीच आया है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप का यह आदेश ओमान के एक प्रतिनिधिमंडल के तेहरान पहुंचने के कुछ घंटों बाद आया।

क्या भारत-नेपाल यात्रा के नियमों में होंगे बदलाव? बालेंद्र सरकार ने नई दिल्ली से किया ये अनुरोध

अभी भारत-नेपाल यात्रा के लिए क्या नियम

काठमांडू, एजेंसी। भारत और नेपाल के बीच लोगों की आवाजाही को और आसान बनाने की दिशा में एक नई पहल सामने आई है। नेपाल की बालेंद्र सरकार ने नई दिल्ली से अनुरोध किया है कि नेपाली नागरिकों के बायोमेट्रिक नेशनल आइडेंटिटी (एनआईडी) कार्ड को भी सीमा पार यात्रा के लिए आधिकारिक दस्तावेज के रूप में मान्यता दी जाए। अगर भारत इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है तो भविष्य में दोनों देशों के बीच यात्रा के नियमों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है और नेपाली नागरिकों के लिए भारत आना-जाना पहले से अधिक आसान हो जाएगा।

नेपाल सरकार ने यह प्रस्ताव कूटनीतिक माध्यम से भारत को भेज दिया है और अब नई दिल्ली के जवाब का इंतजार किया जा रहा है। नेपाल के आव्रजन विभाग के महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने कहा कि यह प्रस्ताव विदेश मंत्रालय के जरिए भारत को भेजा गया है। उनका कहना है कि सरकार भविष्य में नागरिकता प्रमाणपत्र की जगह केवल एक आधुनिक, सुरक्षित और तकनीक आधारित पहचान पत्र लागू करना चाहती है। इसी वजह से भारत से अनुरोध किया गया है कि एनआईडी कार्ड को हवाई और सड़क दोनों मार्गों से यात्रा के लिए मान्यता दी जाए। फिलहाल भारत आने वाले नेपाली नागरिकों को, खासकर हवाई यात्रा के दौरान, वैध पासपोर्ट या मूल नागरिकता प्रमाणपत्र दिखाना अनिवार्य होता है। दूसरी ओर नेपाल जाने वाले भारतीय नागरिकों को पासपोर्ट या फोटोयुक्त मूल मतदाता पहचान पत्र प्रस्तुत करना पड़ता है। दोनों देशों के नागरिकों को एक-दूसरे के यहां जाने के लिए वीजा की जरूरत नहीं होती, लेकिन यात्रा के दौरान तय पहचान दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य है। नेपाल का मानना है कि एनआईडी कार्ड को मान्यता मिलने से यह प्रक्रिया और आसान हो जाएगी।

नेपाल एनआईडी कार्ड को क्यों बनाना चाहता है यात्रा का आधार: नेपाल सरकार धीरे-धीरे नेशनल आइडेंटिटी

कार्ड को सभी प्रमुख सरकारी सेवाओं के लिए अनिवार्य बना रही है। बैंकिंग, भूमि पंजीकरण, पासपोर्ट जारी करने और कई अन्य सरकारी सेवाओं में इस कार्ड का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। सरकार की योजना है कि भविष्य में नागरिकता प्रमाणपत्र की जगह यही एकमात्र आधिकारिक पहचान पत्र बने। रामचंद्र तिवारी ने कहा, 'लंबे समय में हमारे पास एक ही पहचान पत्र होगा, जो नागरिकता प्रमाणपत्र की जगह लेगा। यह पूरी तरह सत्यापित, सुरक्षित और तकनीक के अनुकूल है। इसलिए हमने भारत से अनुरोध किया है कि हवाई और सड़क दोनों मार्गों से यात्रा के दौरान इसका उपयोग स्वीकार किया जाए। '

भारत की प्रतिक्रिया और आगे क्या हो सकता है: नेपाल के वरिष्ठ आव्रजन अधिकारियों के अनुसार, इस सप्ताह भारत के दूतावास का एक प्रतिनिधिमंडल नेपाल के आव्रजन विभाग के अधिकारियों से मिला था। अधिकारियों का कहना है कि भारतीय पक्ष ने इस पहल पर सकारात्मक रुख दिखाया और बताया कि प्रस्ताव को नई दिल्ली में निर्णय लेने वाले स्तर तक भेज दिया गया है। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच सीमा पार यात्रा का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखने और लोगों की आवाजाही को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई है। हालांकि भारत की ओर से अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। नेपाल का बायोमेट्रिक नेशनल आइडेंटिटी कार्ड फिंगरप्रिंट, चेहरे की पहचान और आंखों की पुतली की पहचान जैसी आधुनिक तकनीक से लैस है। इसकी शुरुआत वर्ष 2009 में पंचथर जिले और सरकारी कर्मचारियों के बीच पायलट परियोजना के रूप में हुई थी। अब तक 45 लाख से अधिक नेपाली नागरिकों को यह कार्ड जारी किया जा चुका है, जबकि करीब दो करोड़ लोगों ने इसके लिए आवेदन किया है। रामचंद्र तिवारी ने कहा, 'भले ही अभी सभी नागरिकों को एनआईडी कार्ड नहीं मिला है, लेकिन यह सुरक्षित और तकनीक के अनुकूल है।

मुक्केबाजी में भारत का जलवा कायम

सचिन सिवाच ने कनाडा के अल-अहमदिएह को 4-1 से चटाई धूल

ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुषों की 60 किग्रा स्पर्धा के पहले दौर में कनाडा के केओमा अल-अहमदिएह को कड़े मुकाबले में 4-1 के विभाजित निर्णय (स्प्लिट डिसीजन) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अगला मुकाबला प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा

स्काटिश इवेंट कैंपस में शनिवार को खेले गए इस मुकाबले के बाद अब उनका सामना सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा। 26 वर्षीय पूर्व राष्ट्रमंडल युवा खेल चैंपियन सचिन ने तीनों राउंड में संयम बनाए रखा।मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, जहां दोनों मुक्केबाजों ने रिंग के बीचोंबीच जमकर पंचों का आदान-प्रदान किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में जीत दर्ज करने वाले सचिन दूसरे भारतीय मुक्केबाज बने हैं।उनसे पहले पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 32 में जादुमणि सिंह ने आसान जीत हासिल की थी। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 14 सदस्यीय टीम उतारी है, जिसमें सात पुरुष और सात महिला मुक्केबाज विभिन्न भार वर्गों में हिस्सा ले रहे हैं।

अनाहत सिंह ने 18 साल की उम्र में रचा इतिहास

नई दिल्ली। एक तरफ जहां पूरे देश की नजरें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय दल के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं तो वहीं दूसरी तरफ जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में भारत की 18 साल की बेटी अनाहत सिंह ने इतिहास रचते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। अनाहत सिंह की फाइनल मुकाबले में भिड़ंत मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुकय्या सालेम से था जिसमें उन्होंने लगातार तीन सेट को अपने नाम करने के साथ खिताब जीतने में सफलता हासिल की। अनाहत सिंह जहां 21 साल में भारत की पहली खिलाड़ी हैं जो फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हो सकी थी तो वहीं खिताब जीतने वाली भी पहली खिलाड़ी बन गई हैं।साल 2028 में होने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक गेम्स में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है, जिसमें अनाहत सिंह की इस जीत से उनका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ गया होगा। जूनियर लेवल पर अपना कमाल दिखाने के बाद अब अनाहत से सभी को सीनियर स्तर पर भी उसी प्रदर्शन की उम्मीद है। अनाहत अभी सीनियर पीएसए टूर की विश्व रैंकिंग में टॉप-20 खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मिस्र की खिलाड़ी को नहीं दिया वापसी का मौका

अनाहत सिंह ने कनाडा में हुए जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में मिस्र की रुकय्या सालेम को पहले सेट में जहां 11-3 के अंतर से मात दी तो वहीं उसके बाद दूसरे सेट को 11-7 के अंतर से जीतने में कामयाब रही।अब सभी की नजरें इस मुकाबले के तीसरे सेट पर टिकी हुई थी जिसको अनाहत सिंह 11-9 के अंतर से जीतने के साथ खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही।अनाहत सिंह जहां साल 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी, जिसमें चिनप्पा ने इस टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तक का किया था, लेकिन वह टाइटल जीतने से चूक गई थीं।वहीं अनाहत की इस ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बधाई दी, जिसमें उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इतिहास रचा गया! अनाहत सिंह को विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई ! यह अभूतपूर्व उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना एशियाई चैंपियन
महिला टीम ने रजत जीता, विश्व कप का टिकट कटाया

मस्कट, एजेंसी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं महिला टीम फाइनल में चीन से 2-4 से हार गई, लेकिन उपविजेता रहते हुए विश्व कप का टिकट हासिल करने में सफल रही। दोनों भारतीय टीमों ने पहले एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भारत का दबदबा

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी।भारत ने पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा और शाहरुख अली ने 13वें मिनट में तीसरा गोल कर मुकाबले को लगभग भारत की झोली में डाल दिया। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने अंत तक बढ़त कायम रखते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत एलीट पूल तालिका में भी शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।महिला वर्ग के फाइनल में चीन ने तेज शुरुआत करते हुए पहले छह मिनट में तीन गोल कर भारत पर दबाव बना दिया। भारत की ओर से नौशीन नाज ने 13वें मिनट में पहला गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन चीन ने एक और गोल कर बढ़त 4-1 कर दी। मैच के अंतिम मिनट में पुष्पा मांझी ने गोल कर अंतर जरूर कम किया, लेकिन भारतीय टीम 2-4 से मुकाबला हार गई।

भारत को दूसरा मेडल: वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का दूसरा मेडल मिल गया है। ऋषिकांत सिंह ने गेम्स के चौथे दिन मेंस वेटलिफ्टिंग की 60 केजी कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कुल 264 केजी वजन उठाकर दूसरा (स्नैच 121 केजी और क्लीन एंड जर्क 143 केजी)। इससे पहले मेंस पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज जीता था। भारत अब 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के साथ मेडल टेबल में 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 23 मेडल के साथ पहले नंबर पर है।दिनभर में कुल 14 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 9 स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, 3 वेटलिफ्टिंग और 2 आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में होंगे।भारत को विमेंस पेयर्स लॉन बॉल्स में नामीबिया से टाई-ब्रेक में हार का सामना करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड को हराना होगा। रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी के लिए यह मुकाबला करो या मरो का होगा। इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी और मेडल की उम्मीदें बरकरार रहेंगी।ऋषिकांत सिंह का वेटलिफ्टिंग मेंस 60 किग्रा का इवेंट जारी है। इसके बाद शाम 5ः30 बजे मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगी।

यामागुची अकाने ने चेन युफेई को हराकर दूसरी बार जीता महिला एकल का खिताब

टोक्यो (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की यामागुची अकाने ने बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में मेजबान चीन की चेन युफेई को सीधे गेमों में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अकाने ने दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब जीता और टूर्नामेंट के इतिहास में महिला एकल का खिताब जीतने वाली इकलौती जापानी खिलाड़ी बनी रहीं।

सीधे गेमों में चेन युफेई को हराया

चांगझोउ में खेले गए फाइनल मुकाबले में विश्व नंबर-3 यामागुची अकाने ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की स्वर्ण पदक विजेता और चीन की स्टार शटलर चेन युफेई को 21-18, 21-16 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

शुरुआत में लड़खड़ाईं, फिर की दमदार वापसी

लगातार छठे फाइनल में खेल रहीं दो बार की ओलंपियन यामागुची ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की। हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर ली और पहले गेम में शानदार वापसी करते हुए 21 मिनट में बढ़त बना ली।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद नहीं टिक सकीं चेन

दूसरे गेम में घरेलू दर्शकों के जोरदार समर्थन के बीच चेन युफेई ने कड़ी चुनौती पेश की। लेकिन यामागुची ने धैर्य और अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और 44 मिनट में जीत दर्ज कर ली।

ट्रिनिडाड टेस्ट: पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज की अच्छी शुरूआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए; कावेम हॉज 83 रन बनाकर नाबाद

ट्रिनिडाड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ 14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की।

कप्तान बाबर आजम ने आमेर जमाल को गेंद थमाई और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चंद्रपॉल को स्लिप में सलमान आगा के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद आमिर जांगू को मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से एलबीडब्ल्यू आउट किया। 106 रन तक वेस्टइंडीज के 3 विकेट गिर चुके थे।

तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद कावेम हॉज और शाई होप ने पारी संभाली। हॉज ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक अली उस्मान की गेंद पर कवर में चौका लगाकर पूरा किया।दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 88 रन जोड़ लिए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने आखिरी सत्र में दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई और सफलता नहीं मिली।

दिन के आखिरी सत्र में रन गति धीमी रही। इस दौरान एक भी चौका नहीं लगा। हॉज और होप ने जोखिम लेने के बजाय क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया। शाम को खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने पहले दिन का खेल समय से पहले समाप्त कर दिया। दूसरे दिन का खेल तय समय पर शुरू होगा।

उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे, विजय दिवस पर सहवाग-जाधव ने वीर जवानों को किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर पूरा देश 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दे रहा है। इस अवसर पर भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और केदार जाधव ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति को याद करते हुए भावुक संदेश साझा किए।

सहवाग बोले- सैनिकों का बलिदान कभी नहीं भुलाया जाएगा

वीरेंद्र सहवाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कारगिल युद्ध की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए लिखा कि भारतीय सैनिक 16 हजार फीट की ऊंचाई पर बर्फ से ढकी चोटियों पर दुश्मन का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर कदम देश की रक्षा के लिए उठाया गया था।

सहवाग ने अपने संदेश में लिखा, 'अगर दुनिया में

निस्वार्थ लोगों को देखना हो तो एक सैनिक की जिंदगी देखिए। वह सिर्फ इतना चाहता है कि उसके पीछे का देश सुरक्षित रहे। 527 सैनिकों ने अपनी जान दी ताकि हम आज चैन की नींद सो सकें। 27 साल बीत चुके हैं, लेकिन हम उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे। उन सभी वीरों को सलाम। जय हिंद।'

केदार जाधव ने भी वीर जवानों को किया नमन

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर केदार जाधव ने भी कारगिल विजय दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि कारगिल के रणक्षेत्र में भारतीय जवानों ने वीरता, बलिदान और देशभक्ति की अमर गाथा लिखी। जाधव ने कहा कि आज देश का तिरंगा जिस गर्व के साथ लहरा रहा है, वह इन वीर सैनिकों के बलिदान का परिणाम है।

1999 में मिला था ऐतिहासिक विजय का गौरव

कारगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था। यह संघर्ष लद्दाख के कारगिल, द्रास, बटालिक, मुश्कोह और काक्सर जैसे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में हुआ। बेहद कठिन मौसम, बर्फीली चोटियों और चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

'ऑपरेशन विजय' के दौरान 527 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता और अनुशासन की मिसाल आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। कारगिल विजय दिवस उन सभी अमर शहीदों के साहस और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।